राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 27 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-158 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंत्रणा समिति की बैठक में सहमतिः सोमवार से संसद में पहलगाम हमले पर चर्चा होने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा एवं राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में बनी सहमति के अनुसार अगले सप्ताह से दोनों सदनों में कामकाज होने की संभावना है। निचले सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने बताया कि अगले सोमवार से सदन में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा होगी। राज्य सभा की बीएसी बैठक में पहले ही यह तय हो चुका है कि अगले सप्ताह उच्च सदन में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की जाएगी। लोक सभा में कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ (26 जुलाई) के अवसर पर इस युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इससे पहले संसद में विपक्ष द्वारा बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण मॉनसून सत्र के पहले दिन से जारी गतिरोध शुक्रवार को भी टूटा। लेकिन शुक्रवार को

विपक्ष के हंगामे के कारण लोक सभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे के उपरांत और राज्य सभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे के पश्चात पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के कारण दोनों सदनों में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं चल सके। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के प्रतिनिधियों की शुक्रवार को हुई बैठक में फैसला किया गया कि सदन में गतिरोध खत्म कर अगले सोमवार से कार्यवाही नियमित रूप से संचालित की जाएगी। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ शुक्रवार को संसद भवन परिसर में मार्च किया और प्रतीकात्मक विरोध करते हुए एसआईआर लिखे पोस्टर फाड़कर कूड़ेदान में डाले। विपक्ष के नेताओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा से संसद भवन के 'मकर द्वार' तक मार्च निकाला। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता एवं लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।

मालदीव के उपराष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपति से मिले मोदी, दोनों देशों के संबंधों पर हुई बात

माले/नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव की दो दिन की यात्रा के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां माले में वहां के उपराष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ़, पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद और संसद के अध्यक्ष अब्दुल रहीम अब्दुल्ला के साथ मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

श्री मोदी ने उपराष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद कहा कि इस दौरान बातचीत भारत-मालदीव मैत्री के प्रमुख स्तंभों पर केन्द्रित रही और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी और अधिक प्रगाढ होगी। उन्होंने कहा, ÷उपराष्ट्रपति हुसैन मोहम्मद लतीफ़ के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। हमारी चर्चा भारत-मालदीव मैत्री के प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित रही। हमारे देश बुनियादी ढाँचे, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में मिलकर काम करना जारी रखे हुए हैं। यह हमारे लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी है। हम आने वाले वर्षों में इस साझेदारी को और गहरा करने की आशा

करते हैं।÷

प्रधानमंत्री ने श्री नशीद को भारत-मालदीव मैत्री के प्रबल समर्थक बताया और कहा कि मालदीव हमेशा भारत की पड़ोसी पहले की नीति का महत्वपूर्ण बिन्दू रहेगा। उन्होंने कहा, ÷मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति श्री मोहम्मद नशीद से मुलाकात की। वे हमेशा से भारत-मालदीव मैत्री के प्रबल समर्थक रहे हैं। मालदीव हमेशा हमारी 'पड़ोसी पहले' नीति और महासागर दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहेगा। भारत क्षमता निर्माण और विकासात्मक सहयोग के माध्यम से मालदीव का समर्थन करता रहेगा।' मालदीव की संसद के अध्यक्ष श्री अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि 20वीं मजलिस में भारत-मालदीव संसदीय मैत्री समूह का गठन द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने कहा, ÷पीपुल्स मजलिस के अध्यक्ष श्री अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात की। भारत-मालदीव की गहरी मित्रता, जिसमें हमारी संसदों के बीच घनिष्ठ संबंध भी शामिल हैं, पर चर्चा की। 20वीं मजलिस में भारत-मालदीव संसदीय मैत्री समूह का गठन द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। भारत मालदीव में क्षमता निर्माण में सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।'

उल्लेखनीय है कि श्री मोदी शाम को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे और इसके बाद वह स्वदेश रवाना हो जायेंगे।

प्रधानमंत्री दो देशों की चार दिन की यात्रा पर 23 जुलाई को पहली चरण की यात्रा पर ब्रिटेन के लिए रवाना हुए थे।

कांग्रेस की चुनावी हार के लिए 'पक्षपाती अंपायर' निर्वाचन आयोग जिम्मेदार : राहुल गांधी

आणंद (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में पार्टी के जिला इकाई प्रमुखों को आश्वासन दिया कि चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करते समय उनकी राय पर भी विचार किया जाएगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'संगठन सृजन अभियान' (पार्टी संगठन को मजबूत करने का अभियान) के तहत कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में अपने संबोधन के दौरान निर्वाचन आयोग पर 'पक्षपाती' होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके 'मुख्य गढ़' गुजरात में हराना महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस ने 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आणंद शहर के पास एक रिसॉर्ट में जिला पार्टी कमेटियों के नवनियुक्त अध्यक्षों के लिए शिविर का आयोजन किया है। पार्टी के मिशन 2027 के लिए खाका तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर का समापन 28 जुलाई को होगा।

गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि राहुल गांधी ने जिला अध्यक्षों का मार्गदर्शन किया और आश्वासन दिया कि नेतृत्व पूरी तरह से पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ है।

राजकोट जिला कांग्रेस प्रमुख राजदीपसिंह जडेजा ने कहा, 'राहुल गांधी ने हमसे लोगों से जुड़े मुद्दे उठाने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विभिन्न चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन से पहले शहर और जिला इकाई प्रमुखों से परामर्श किया जाएगा।' एक अन्य नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने क्रिकेट की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए निर्वाचन आयोग पर 'पक्षपाती अंपायर' होने का आरोप लगाया, जिसके कारण कांग्रेस चुनाव हार रही है।

कांग्रेस की सुरेंद्रनगर जिला इकाई के प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा, 'क्रिकेट में अगर आप बार-बार आउट हो जाते हैं, तो आप खुद पर शक करने लगते हैं। लेकिन फिर आपको एहसास होता है कि आप अपनी गलती की वजह से आउट नहीं हो रहे हैं। यह अंपायर है जो पक्षपाती है। राहुल जी ने यह बात कही और हमें भरोसा दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि हम 2017 के गुजरात चुनाव निर्वाचन आयोग की संदिग्ध मतदाता सूची के कारण हारे थे।'

तमिलनाडु की भूमि पर वीरों ने स्वतंत्र और समर्थ भारत का सपना बुना था : नरेंद्र मोदी

तूतीकोरिन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिटेन ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में 4,900 करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं में नया टर्मिनल भवन, हाईवे प्रोजेक्ट, बंदरगाह, रेलवे और पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट आदि शामिल हैं। पीएम मोदी ने इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तमिलनाडु अभूतपूर्व विकास के रास्ते पर है। यह तरक्की राज्य को विकसित भारत की प्रेरक शक्ति बनाने के लिए केंद्र सरकार के संकल्प को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए चोल सम्राट राजेंद्र प्रथम के इतिहास में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने गुलामी के दौर में समुद्र के जरिए व्यापार की ताकत को समझा। उन्होंने समंदर में स्वदेशी जहाज चलाकर विदेशियों को चुनौती दी। बता दें कि पीएम मोदी रविवार को राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती और उनकी दक्षिण-पूर्व एशिया की ऐतिहासिक समुद्री विजय यात्रा की 1000वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे तिरुवथिरई महोत्सव में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने जनसभा में कहा कि इसी भूमि पर वीरों ने स्वतंत्र और समर्थ भारत का सपना बुना था। सुब्रमण्यम भारती जैसे राष्ट्रकवि का जन्म भी यहीं पास में हुआ था। भारती का जितना मजबूत रिश्ता थुट्टुकुटी से था, उतना ही रिश्ता वाराणसी से है। हम दोनों के जरिए आपसी रिश्ते को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु अभूतपूर्व विकास के रास्ते पर है। हम यहां अपने प्रयासों से विकसित तमिलनाडु और विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। ब्रिटेन-भारत के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता भी इसी विजन को बढ़ावा देता है। आज भारत की ग्रोथ में दुनिया अपनी ग्रोथ देख रही है। ये एफटीए भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

ग्लोबल पॉपुलैरिटी लिस्ट में पीएम मोदी का जलवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जलवा बरकरार है। पीएम नरेंद्र मोदी एक बार फिर से दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के तौर पर उभरे हैं। बता दें कि बिजनेस इंटेलीजेंस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट की ओर से जारी जुलाई 2025 की ताजा सर्वे रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क 75 प्रतिशत लोगों की अप्रूवल रेटिंग मिली है। बताया जा रहा है कि ये सर्वे चार जुलाई से 10 जुलाई के बीच किया गया और इसमें कुल 20 से अधिक देशों के नेताओं की रेटिंग्स को शामिल किया गया था। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के आईसेल हेड अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने रिपोर्ट की डाटा को साझा किया। बता दें कि ताजा आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री को इसमें सबसे ज्यादा रेटिंग मिली है। पीएम मोदी को 75 फीसदी अप्रूवल रेटिंग मिली है। वहीं, दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली-जे म्युंग हैं। उन्हें कुल 59 प्रतिशत रेटिंग मिली है। सामने आए आंकड़े से यह पता चला है।

फिर बने दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, ट्रंप-मेलोनी को छोड़ा पीछे

नीतिश कुमार पर नहीं थम रहा चिराग पासवान का हमला

- बोले-मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार को समर्थन कर रहा हूं

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान ने इस बार मुख्यमंत्री नीतिश कुमार सीधा हमला बोला है। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में पूरी तरीके से अपराधियों के सामने प्रशासन पुलिस नतमस्तक हो चुकी है। उन्होंने कहा - मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार को समर्थन कर रहा हूं। लोजपा-आर प्रमुख चिराग पासवान से पूछा गया कि गया में होमगार्ड की महिला अभ्यर्थी को जब बेहोशी की हालत में अस्पताल भेजा जा रहा था तो उसके साथ एंबुलेंस में दुष्कर्म किया गया। इस सवाल पर उन्होंने सरकार पुलिस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया। चिराग पासवान ने कहा कि एक के बाद एक बिहार में जिस तरीके से आपराधिक घटनाओं की श्रृंखला बनती जा रही है और पुलिस प्रशासन नतमस्तक बन चुकी है।

रिटायर होने के बाद कोई भी सरकारी पद नहीं लूंगा

- सीजेआई बीआर गवई ने कर दिया फ्यूचर प्लान का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने स्पष्ट कर दिया है कि वो रिटायरमेंट के बाद कोई भी सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे। महाराष्ट्र के अमरावती में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ये ऐलान किया। यही नहीं सीजेआई ने ये भी बताया कि आगे उनकी क्या योजना रहेगी। वो कौन रोल निभाएंगे। अपने गांव में सीजेआई गवई ने कहा कि मैंने फैसला किया है अपनी सेवानिवृत्ति के बाद वो सलाह और मध्यस्थता करेंगे। हालांकि, वो कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे। जस्टिस बीआर गवई अमरावती जिला और सत्र न्यायालय में दिवंगत टीआर गिल्डा मेमोरियल ई-लाइब्रेरी के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। सीजेआई गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कई मौकों पर घोषणा की है कि 24 नवंबर के बाद मैं कोई भी सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा। मैं परामर्श और मध्यस्थता करूंगा। दारापुर सीजेआई गवई का पैतृक गांव है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद उनके पास अधिक समय होगा। इसलिए वे पैतृक गांव दरापुर, अमरावती और नागपुर में ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे। इससे पहले, सीजेआई के गांव पहुंचने पर लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने अपने पिता आरएस गवई के स्मारक पर फूल चढ़ाए। आरएस गवई केरल और बिहार के पूर्व राज्यपाल थे। साफ कर दिया है उनका आगे क्या प्लान रहने वाला है।

सीमा पर डटे रहो, परिवार का ख्याल अब हम रखेंगे

- सैनिकों के लिए ऐतिहासिक कानूनी योजना शुरू
- परिवारों को जागरुक करने चलेगा विशेष अभियान

श्रीनगर (एजेंसी)। देश की सेवा में सीमाओं पर तैनात सैनिकों के परिवारों को अब कानूनी लड़ाइयों में अकेले नहीं लड़ना पड़ेगा। भारत में पहली बार, सैनिकों और अर्धसैनिक बलों के परिवारों को स्वतः कानूनी सहायता देने के लिए एक नई पहल शुरू की गई है। इसका नाम अग्नि वीर परिवार सहायता योजना 2025 है और आज इसकी औपचारिक शुरुआत श्रीनगर में हो गई। इस पहल का मूल संदेश है-आप सीमाओं पर देश की सेवा करें, हम आपके परिवार का ख्याल रखेंगे। इस ऐतिहासिक योजना का उद्घाटन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के

कार्यकारी अध्यक्ष और भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद रहे। यह योजना एक मानवीय सोच से उत्पन्न हुई है। सूत्रों के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद जब न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सैनिकों की कठिनाइयों और बलिदानों को करीब से देखा, तब उन्होंने यह महसूस किया कि कानूनी जगत को भी सैनिकों के परिवारों की मदद में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

अब छांगुर बाबा के भतीजे के घर हुआ बुलडोजर ऐक्शन

- 30 मिनट में मिट्टी में मिला दी इमारत

बलरामपुर (एजेंसी)। अवैध धर्मांतरण मामले के सरगना छांगुर बाबा के भतीजे सबरोज के घर पर बुलडोजर ऐक्शन हुआ है। सबरोज ने रेहरा माफी गांव में ग्राम समाज की जमीन पर अतिक्रमण कर अपना मकान बनाया हुआ था। बार-बार नोटिस के बावजूद वह अतिक्रमण को हटा नहीं रहा था। आज बुलडोजर चलाकर 30 मिनट के अंदर सब ढहा दिया गया। छांगुर बाबा की आलीशान कोठी को पहले ही बुलडोजर से तोड़ा जा चुका है। गैंग के प्रमुख सदस्य उसके भतीजे सबरोज उर्फ इमरान ने रेहरा माफी गांव में अवैध तरीके से घर बनाया हुआ था। उतरौला तहसील प्रशासन की तरफ से पिछले कुछ समय से अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया गया।

3 बार नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद आज घर को बुलडोजर से गिरा दिया गया। एक हफ्ते पहले यूपी एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने छांगुर बाबा के करीबी और धर्मांतरण गिरोह के सक्रिय सदस्य 42 वर्षीय सबरोज उर्फ इमरान उर्फ बुद्धू के साथ ही 36 वर्षीय शहाबुद्दीन को बलरामपुर से गिरफ्तार किया है।

लोकसभा में बेहतर प्रदर्शन

17 सांसद संसद रत्न से सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार 2025 के लिए चुना गया है। इनमें एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले, बीजेपी के रवि किशन और निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबी के अरविंद सावंत का नाम शामिल है। संसद रत्न बनने वाले सांसदों में सबसे ज्यादा 7 सांसद महाराष्ट्र से हैं। इनके अलावा 4 स्पेशल जूरी अवॉर्ड भी शामिल हैं। इनमें बीजेपी के भर्तृहरि महताब, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी के एनके प्रेमचंद्रन, एनसीपी शरद गुट की सुप्रिया सुले और शिवसेना के श्रीरंग अप्पा बार्ने शामिल हैं। इन सभी ने 16वीं लोकसभा के बाद से लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा है। बाकी सांसदों में स्मिता उदय वाघ, शिवसेना के नरेश म्हस्के, कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़, बीजेपी की मेधा कुलकर्णी, प्रवीण पटेल, विद्युत बरन महतो और दिलीप सैकिया भी शामिल हैं।

आरसीबी,इवेंट कंपनी और राज्य क्रिकेट संघ है जिम्मेदार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की विक्ट्री डे परेड पर हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार की ओर से बनाए गए जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग की रिपोर्ट शुक्रवार को सामने आई। इसमें स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेडियम की डिजाइन ऐसी नहीं है कि वहां बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित तरीके

से इकट्ठा हो सकें। स्टेडियम में भीड़ नियंत्रण, प्रवेश और निकासी व्यवस्था, पार्किंग और इमरजेंसी प्लान जैसी बुनियादी सुविधाओं की गंभीर कमी है। आयोग ने कहा, भविष्य में ऐसे बड़े आयोजन सिर्फ उन स्थानों पर हों जहां अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानक पूरे किए जाते हों। साथ ही पुराने स्टेडियमों में जरूरी सुधार के बिना कोई बड़ा आयोजन न हो। स्टेडियम में 30 सितंबर से 2 नवंबर तक महिला वनडे वर्ल्ड कप के शुरुआती और सेमीफाइनल मैच होने थे, लेकिन अब मैच होंगे या नहीं यह तय नहीं है। आरसीबी ने अपनी राज्य स्तरीय टी 20 लीग 'महाराजा ट्रॉफी' को भी दर्शकों के बिना कराने का फैसला किया है। इसके अलावा कमेटी ने आरसीबी फ्रेंचाइजी, उनके इवेंट पार्टनर एंटरटेनमेंट और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है और अध्यक्ष रघुराम भट, पूर्व सचिव ए शंकर, पूर्व कोषाध्यक्ष ईएस जयराम,वाइस प्रेसीडेंट राजेश मेनन और केए एंटरटेनमेंट के वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की गई है। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पहली खिताबी जीत के जश्न के दौरान 4 जुलाई को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता- नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्यि के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

(लेखक-पीयूष गोयल/)

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोज़गार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा।

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वपप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति- वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुन-स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्यस बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्यि के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यालपक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोज़गार- आकर्षक बाज़ार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थाकयित्वि के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्रा, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यायवसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम- 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाज़ार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाज़ार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा।

हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोज़गार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमज़ोर वर्गों की सुरक्षा-घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमज़ोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकास-भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे।

झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा।

यह संभावना अभूतपूर्व है क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर-यह समझौता आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्नि सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्यव महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नए मानक स्थापित किए हैं। इस ईएफटीए के साथ, भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ, भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आईटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था।

इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं-व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त् वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्सापहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वार्तालाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नीता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

(लेखक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

संपादकीय

सख्ती जरूरी

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब-तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तौर-तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर-तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर-तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर-तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये-नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के भारत के मिसाइल रत्न हैं

(लेखक- संजय गोस्वामी)

(डॉ अब्दुल कलाम कलाम की पुण्यतिथि 27 जुलाई पर विशेष)

डॉ कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था। वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिडेंट भी कहा जाता था उनका मानना था कि श्इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे।

एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ। अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया। सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल यानी ैस्ट के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े। अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका। 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, क्क् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए। इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे ाष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई। आई। आई। टी। हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए फ्व्हाट कैन आई गिव' पहल की शुरुआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 - 2004) 'एम।टी।वी। यूथ आइकॉन ऑफ़ द इयर अवार्ड' के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म 'आई ऍम कलाम' उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं। जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही।इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई।! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देतेश। ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे। किये।27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रहश् पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6-30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई। जिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए।

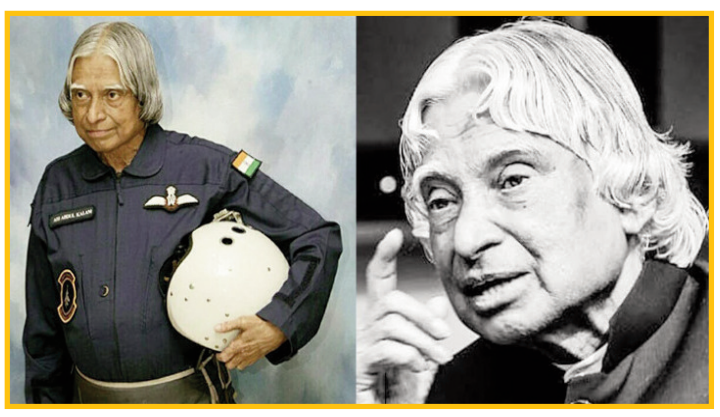

सत्ता- संपदा का उन्माद

चिंतन मनन

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकषर्ण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

विचार मंथन

छात्रों की खुदकुशी पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता-सुधार के लिये नियम

(लेखक- सनत जैन)

छात्रों की खुदकुशी रोकने पर नाकाम सिस्टम पर सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी केवल एक न्यायिक टिप्पणी नहीं है। बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा है। हाल के कुछ वर्षों में छात्रों की आत्महत्याओं में बेतहाशा वृद्धि ने सिद्ध कर दिया है, भारत का शैक्षणिक तंत्र बच्चों के मानसिक बोझ, प्रतियोगी दौड़ और असफलता का भय बन गया है। कोचिंग हब बन चुके कोटा, हैदराबाद, पटना बड़े महानगर और अन्य शहरों से हर महीने छात्र एवं छात्राओं की आत्महत्या की रोजाना खबरें आना बडा सामान्य हो गया है। शायद ही ऐसा कोई दिन छूटता हो, जब समाचार पत्रों में आत्महत्या की खबर देखने को ना मिलती हो। सामाजिक व्यवस्था और शिक्षा के क्षेत्र में यह एक खतरनाक संकेत है। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों के लिए जो 15 दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वह शिक्षा के मानवीय संवेदनशील पक्ष को बहाल करने की दिशा में स्वागत योग्य पहल है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए बेहतर नीति लागू करने, प्रशिक्षित काउंसलर नियुक्त करने, छात्रों के बीच नंबर के आधार पर तुलना न करने, कोचिंग संस्थानों के पाठ्यक्रम का मानकीकरण जैसे बिंदु पर सुप्रीम कोर्ट ने ध्यान दिया है। यह नीतिगत हस्तक्षेप स्पष्ट करता है। शिक्षा केवल अंक लाने या रैंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं हो सकता। किताबी ज्ञान और रटंतु विद्या किसी का कैरियर नहीं बना सकती है। शिक्षा पारिस्थिति और वर्तमान की आवश्यकता को देखते हुए जरूरी है। शिक्षा का तंत्र ऐसा हो, जिसमें हर छात्र को समझा जाए, सुना जाए, मानसिक रूप से जिस शिक्षा के लिए वह पात्र हो, उसे जानकर शिक्षित किया जाए। सुप्रीमकोर्ट के इन निर्देशों की खास बात यह है कि इनमें न केवल छात्रों की मानसिक स्थिति को प्राथमिकता दी गई है। कोचिंग और शैक्षणिक संस्थानों की जवाबदेही भी तय की गई है। यह समझना आवश्यक है, 15 से 25 वर्ष के बीच की आयु के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं और कैरियर बनाने के लिए सबसे संवेदनशील उम्र होती है। परीक्षा का दबाव, माता-पिता की अपेक्षाएं और भविष्य की अनिश्चितता, छात्र को अकेलेपन और भविष्य की संभावनाओं की चिंता में धकेल देती हैं। आर्थिक और मानसिक रूप से इस उम्र के युवा डर और भय में जीते हैं। शैक्षणिक एवं कोचिंग संस्थाएं इस मानसिक स्थिति की उपेक्षा करती हैं। ऐसी स्थिति में छात्र और छात्राओं के ऊपर बहुत प्रेशर होता है। जब उन्हें लगता है, इतना प्रेशर उनके लिए झेल पाना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में वह आत्महत्या जैसी कदम उठा लेते हैं। सामाजिक और पारिवारिक सोच से जिस तरह बच्चों के ऊपर, भविष्य की चिंता को लेकर डर और भय बनाया जा रहा है। जो युवाओं को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का कारण बन रहा है। माता-पिता, कोचिंग संस्थान सरकार की शिक्षा नीति, प्रतियोगी परीक्षाओं में एक पद के पीछे हजारों बेरोजगारों की भीड़ से युवा अशांत और असुरक्षित है। ऐसी स्थिति में वह आत्महत्या जैसा कदम उठा लेता है। इसके लिए माता-पिता, कोचिंग संस्थान और सामाजिक दबाव और केरियर की चिंता जिम्मेदार है। इस दिशा में राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की भूमिका और जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने नीति आयोग को 90 दिन के अंदर दिशा-निर्देश की रिपोर्ट सौंपने को कहा है। जो आगे चलकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा बने, यह आशा है। शिक्षा जगत केवल ज्ञान और डिग्री देने की प्रक्रिया नहीं है। शिक्षा इंसान को बेहतर इंसान बनाने की यात्रा है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो प्रतिस्पर्धा के स्थान पर रोजगार उपलब्ध कराए। जिस तरह पानी अपना रास्ता स्वयं बनाता है। वैसे ही कैरियर में सफलता, अनुभव और समय के साथ मिलती है। परिवार, केंद्र एवं राज्य सरकारों को यह समझना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने जो पहल की है। उसमे शिक्षा को अधिक सुरक्षित, समावेशी रोजगार मुखी, करुणाशील बनाने की दिशा में सार्थक पहल हो सकती है। वर्षों पुरानी शिक्षा के आयाम वर्तमान में काम नहीं आते हैं। जिस तरह से रोजाना नए-नए तकनीकी परिवर्तन हो रहे हैं। रोजगार के नए-नए तौर तरीके सामने आ रहे हैं। डिजिटल तकनीकी के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान हमेशा कंप्यूटर और मोबाइल पर हमेशा उपलब्ध है। जो ज्ञान पहले 20 से 30 वर्षों में बदलाव की स्थिति में आता था, अब वह तीन से चार महीने में बदल जाता है। वर्तमान पीढ़ी के साथ मोबाइल और कंप्यूटर छाया की तरह साथ-साथ चलता है। ऐसी स्थिति में वर्तमान और भविष्य की जरूरत के हिसाब से पढ़ाई और प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इस बात को ध्यान रखने की जरूरत है। ज्ञान अनुभव में आता है, उसके बाद जरूरत के अनुसार ज्ञान में परिवर्तन, समय के साथ होता है। शिक्षा व्यवस्था में इस बात का ध्यान रखा जाना जरूरी है। पहले जो शिक्षा व्यवस्था के नियम थे, वह वर्तमान एवं भविष्य के लिये प्रभावी साबित नहीं हो रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनएफएल ने एवीएफसीसीएल में 1.8 लाख का निवेश किया

नई दिल्ली । नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) ने असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) में 1.8 लाख का निवेश किया है। एनएफएल ने 10 रुपए प्रति शेयर की दर से 18,000 इक्विटी शेयर खरीदकर एवीएफसीसीएल में 18 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। एवीएफसीसीएल को 25 जुलाई को एक संयुक्त उद्यम के रूप में शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य असम के नामरूप क्षेत्र में नामरूप आईवी अमोनिया-यूरिया फर्टिलाइजर प्लांट की स्थापना करना है। इस जॉइंट वेंचर में असम सरकार, ऑयल इंडिया लिमिटेड, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एनएफएल शामिल हैं।

भारत की स्टील स्लैग रोड तकनीक ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई

- अमेरिका और ओमान में हो रहा उपयोग

नई दिल्ली । वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) द्वारा विकसित स्टील स्लैग रोड तकनीक अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पा रही है। अमेरिका के शिकागो और ओमान जैसे देशों में भी इस तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। सीआरआरआई के एक वैज्ञानिक ने बताया कि यह तकनीक भारत के सड़क निर्माण क्षेत्र में एक गेम चेंजर साबित होगी। सड़क निर्माण में मुख्य सामग्री प्राकृतिक एग्रीगेट (जैसे बजरी और रोड़ी) होती है, जिसकी वार्षिक खपत लगभग 1.2 बिलियन टन है। इसके कारण पर्यावरण पर भारी दबाव पड़ता है, क्योंकि एग्रीगेट के लिए माइनिंग करनी पड़ती है। स्टील स्लैग रोड तकनीक पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संसाधनों के पुनर्चक्रण में भी मददगार साबित हो रही है। इसमें स्टील स्लैग का इस्तेमाल कर पारंपरिक सड़क निर्माण सामग्री की जगह ली जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है।

ब्याज दरों में राहत और बेहतर मौसम से मांग में सुधार की उम्मीदः आईटीसी

- ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में सुधार के मिल रहे संकेत कंपनी के लिए सकारात्मक

नई दिल्ली । आईटीसी लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कंपनी की सालाना आम बैठक (एजीएम) में निवेशकों को संबोधित करते हुए बाजार मांग में नरमी को लेकर सतर्क रुख अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कमजोर वैश्विक वातावरण, खाद्य महंगाई और भारतीय बाजार में उत्पादों की डंपिंग जैसी वजहों से उपभोक्ता मांग प्रभावित हुई है। इस कारण कंपनी के कारोबार पर भी असर पड़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्याज दरों में संभावित कटौती, बेहतर मानसून और समग्र महंगाई में कमी से आने वाले महीनों में स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में सुधार के संकेत मिल रहे हैं, जो कंपनी के लिए सकारात्मक हैं। एफएमसीजी कारोबार को लेकर उन्होंने बताया कि आईटीसी ने आंतरिक दक्षता बढ़ाने, लागत नियंत्रण, और उत्पाद मिश्रण को बेहतर करने जैसे कई कदम उठाए हैं। मांग में नरमी को देखते हुए कीमतों को भी सावधानीपूर्वक तय किया गया है। गैर-सिगरेट व्यवसाय पर ध्यान देते हुए पुरी ने कहा कि आईटीसी का एफएमसीजी खंड 5 लाख करोड़ के बाजार आकार तक पहुंच गया है और इसे बेहद पूंजी-कुशल तरीके से विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की संस्थागत ताकत और दीर्घकालिक रणनीति का परिणाम है। पुरी ने भरोसा जताया कि इन रणनीतियों के परिणाम आने वाली तिमाहियों में दिखने लगेंगे, जिससे कंपनी के विकास को गति मिलेगी।

टाटा समूह ने पांच साल में किया 1 लाख करोड़ का निवेश

- एन. चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा समूह भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार

मुंबई । टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने समूह की वार्षिक रिपोर्ट में जानकारी दी है कि बीते पांच वर्षों में टाटा समूह ने अपनी कंपनियों में 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया है। समूह अब सेमीकंडक्टर, डिजिटल सेवाओं, बैटरियों और अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को अपनी वृद्धि का अगला चरण मान रहा है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह भविष्य के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। चंद्रशेखरन ने बताया कि समूह का कुल राजस्व पांच वर्षों में 1.9 गुना बढ़ा है, जबकि शुद्ध लाभ 3.6 गुना तक पहुंच गया है। ऋण अनुपात घटकर 0.7 गुना रह गया है और इक्विटी पर रिटर्न 8.7 से बढ़कर 17.5 फीसदी हो गया है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में उन्होंने कहा कि कंपनी एकीकृत तकनीकी हार्डवेयर और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रही है। इस कंपनी में 65,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 70 फीसदी महिलाएं हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में 66,000 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वहीं टाटा की एयर इंडिया ने 78,636 करोड़ का राजस्व और 10,859 करोड़ का घाटा दर्ज किया। टाटा डिजिटल ने 32,188 करोड़ के राजस्व के साथ 4,600 करोड़ का घाटा दिखाया। हालांकि बीमा क्षेत्र की संयुक्त कंपनियों ने लाभ कमाया। चंद्रशेखरन ने कहा कि रणनीतिक अनुशासन और दीर्घकालिक सोच के कारण समूह की नींव मजबूत हुई है, और अब यह अगले तकनीकी युग के लिए तैयार है।

सोने की कीमतों में गिरावट, त्योहार से पहले खरीदारी का सुनहरा मौका

आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला

नई दिल्ली । अगर आप सोने के गहने खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह समय आपके लिए बेहद लाभदायक हो सकता है। सोने की कीमतों में पिछले कुछ दिनों से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है, जिससे खरीदारों के लिए ज्वेलरी सस्ती हो गई है। 24 कैरेट और 22 कैरेट दोनों प्रकार के सोने के रेट में कमी दर्ज की गई है, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों के पास खरीदारी का बेहतरीन अवसर है। कीमतों में गिरावट की प्रमुख वजहें अमेरिका के टैरिफ से जुड़ी चिंताओं में कमी, डॉलर इंडेक्स का दो सप्ताह के निचले स्तर तक गिरना और स्पॉट मार्केट में मांग का कमजोर होना हैं। इन आर्थिक कारणों ने सोना और चांदी दोनों की कीमतों पर दबाव डाला है। यही वजह है कि सोना लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ है। दिल्ली में 26 जुलाई 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,620 प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट की कीमत 92,240 प्रति 10 ग्राम है। बीते तीन दिनों में 24 कैरेट सोने में 1860 और 22 कैरेट में 1710 प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है। अन्य प्रमुख शहरों की बात करें तो मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में 22 कैरेट सोना 92,090 और 24 कैरेट सोना 1,00,470 प्रति 10 ग्राम बिक रहा है।

शेयर बाजार में 2025 की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट रही

- सेंसेक्स 721.08 अंक गिरकर 81,463.09 पर बंद

- निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837 पर बंद

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारत के प्रमुख इक्विटी सूचकांकों ने 2025 की सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। यह अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार हुआ है कि सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चार सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुए हैं। बाजार में भारी वोलैटिलिटी देखने को मिली, जिसका मुख्य कारण भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते पर अनिश्चितता, कंपनियों के मिले-जुले नतीजे, विदेशी निवेश की निरंतर निकासी और अमेरिका-भारत व्यापार सौदे को लेकर असमंजस था। सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 294.64 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी 131.4 अंक नीचे आया। सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को दोनों सूचकांक गिरावट के साथ खुले, लेकिन आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में हुई खरीदारी के कारण शुरुआती नुकसान की भरपाई हुई। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 148.68 अंक गिरकर 81,609.05 पर खुला और 442.61 अंक की तेजी के साथ 82,200.34 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 67.55 अंक गिरकर 24,900.85 पर खुला और 122.30 अंक बढ़कर 25,090.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 337.83 अंक बढ़कर खुले, लेकिन अंत में 13.53 अंक नीचे बंद हुए। निफ्टी भी सुबह 91.3 अंक की तेजी से खुला, पर दिन के अंत में 29.80 अंक गिर गया। बुधवार को अमेरिकी और जापानी व्यापार समझौते की खबर से बाजार में तेजी आई, सेंसेक्स 539.83 अंक और निफ्टी 159 अंक चढ़े। गुरुवार को फिर से गिरावट शुरू हुई। सेंसेक्स 542.47 अंक और निफ्टी 157.80 अंक टूटे। शुक्रवार को बजाज फाइनेंस में कमजोरी और विदेशी पूंजी निकासी के चलते बाजार और नीचे गया। सेंसेक्स 721.08 अंक गिरकर 81,463.09 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 225.10 अंक टूटकर 24,837 पर पहुंच गया।

विदेशी निवेशक बाहर निकले और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने बाजार पर दबाव डाला। निवेशकों के लिए आगामी सप्ताह चुनौतीपूर्ण रहने की संभावना है।

जून में हीरो की स्प्लेंडर मॉडल की कुल 3,31,057 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली । भारतीय टू-व्हीलर बाजार में हीरो मोटोकॉर्प की बाइक्स ने बिक्री के मामले में फिर से अपनी बादशाहत कायम रखी है। एक बार फिर हीरो स्प्लेंडर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली बाइक का ताज अपने नाम किया है। जून 2025 के आंकड़ों से पता चलता है कि इस महीने में इस मॉडल की कुल 3,31,057 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले साल के मुकाबले 8.34प्रतिशत ज्यादा है। वहीं होंडा शाइन दूसरे नंबर पर रही, हालांकि इसकी बिक्री में 11.96 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और केवल 1,43,218 यूनिट्स ही बिक पाईं। हीरो एचएफ डीलक्स भी मजबूत प्रदर्शन करते हुए 1 लाख से अधिक यूनिट्स बेचने में सफल रही, जो पिछले साल की तुलना में 12.16 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। हालांकि बजाज पल्सर की बिक्री में 20.39 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे इसकी यूनिट्स घटकर 88,452 रह गईं। टीवीएस अपाचे ने 11.37प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 41,386 यूनिट्स बेचीं, जबकि रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 की बिक्री 17.61प्रतिशत बढ़कर 29,172 यूनिट्स पहुंच गई। टीवीएस रेडर की बिक्री में गिरावट आई और इसकी 27,481 यूनिट्स ही बिक पाईं।

आकर्षक लुक के साथ पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट एमजी साइबेस्टर कार लॉन्च

शुरुआती कीमत 74.99 लाख रुपए एक्स-शोरूम तय

नई दिल्ली।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आखिरकार शनिवार को भारतीय बाजार में देश की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट कार एमजी साइबेस्टर को बिक्री के लिए लॉन्च कर दिया है।

आकर्षक लुक और दमदार बैटरी पैक से लैस इस इलेक्ट्रिक स्पोर्ट कार की शुरुआती कीमत 74.99 लाख रुपये एक्स-शोरूम तय की गई है। बता दें इस कार को कंपनी ने इस साल के भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के दौरान शोकेस किया था, जहां इस कार ने खूब सूर्खियां बटोरी थी।

एमजी मोटर ने एमजी साइबेस्टर की बुकिंग पहले ही शुरू कर दी थी. ऐसे ग्राहक जिन्होंने इस कार को लॉन्च से पहले बुक किया उन्हें ये कार महज 72.49 लाख रुपए की शुरुआती कीमत में मिलेगी यानी तकरीबन 2.5 लाख का शुद्ध मुनाफा।

कंपनी का दावा है कि ये दुनिया की सबसे फास्ट एमजी कार है, जिसे एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट अवतार में पेश किया है. इस कार के दो दरवाजों और दो सीट वाली इस कन्वर्टिबल स्पोर्ट कार को विशेष रूप से एमजी सेलेक्ट प्रीमियम शोरूम के जरिए से बेचा जाएगा। इस कार का डिज़ाइन 1960 के दशक के एमजी बी रोडस्टर से प्रेरित है।

रेट्रो लुक के साथ ही अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस कार के फ्रंट बोनट को स्लोपी बनाया गया है, जो नीचे की तरफ झुकता हुआ दिखता है। इस कार में सीजर डोर्स का इस्तेमाल किया है, जो बटन दबाते ही खुलते और बंद होते हैं।

इसके फ्रंट में आकर्षक एलईडी लाइटिंग के साथ शार्प डीआरएल और एक शानदार बोनट दिया है जबकि पीछे का हिस्सा इंटिग्रेटेड इंडिकेटर्स के साथ पूरी चौड़ाई वाली एलईडी लाइट बार से और भी खूबसूरत नजर आता है। 20-इंच के हल्के अलॉय व्हील, पिरेली पी-ज़ीरो टायरों के साथ, बेहतरीन ग्रिप और परफॉर्मेंस के लिए डिज़ाइन किए गए इस कार में कई एडवांस फीचर्स हैं।

रिलायंस ने कैल्विनेटर ब्रांड अधिग्रहित कर पुरानी यादें ताज़ा कीं

- पुराने ब्रांड्स को नए दौर में वापस लाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने प्रसिद्ध फ्रिज ब्रांड कैल्विनेटर का अधिग्रहण कर पुरानी यादों को एक बार फिर ताज़ा कर दिया है। 1970 और 80 के दशक में घर-घर में लोकप्रिय यह फ्रिज ब्रांड अब रिलायंस के कंज्यूमर प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा बनेगा। सोशल मीडिया पर कैल्विनेटर के पुराने विज्ञापन तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें बुजुर्ग व्यक्ति के नकली दांत फ्रिज खोलते ही खड़खड़ाने लगते हैं। यह विज्ञापन उस दौर की याद दिलाते हैं जब कैल्विनेटर द टू रिस्ट वन टैगलाइन के साथ भारत में होम रेफ्रिजरेशन को लोकप्रिय बना रहा था। कैल्विनेटर के अधिग्रहण के साथ रिलायंस ने अपनी नॉस्टैल्जिया आधारित रणनीति को और मजबूत किया है। इससे पहले कंपनी ने अगस्त 2022 में कैम्पा कोला को 22 करोड़ में खरीदा था, जो एक समय में हर घर में लोकप्रिय था लेकिन बाद में मार्केट से गायब हो गया था। इसके अलावा रिलायंस ने गुजरात के 1923 में शुरू हुए कार्बोनेटेड ड्रिंक ब्रांड सोस्यो में भी 50 फीसदी हिस्सेदारी ली है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 695.49 अरब डॉलर पर

- पिछले सप्ताह में भी भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 18 जुलाई 2025 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.18 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 695.49 अरब डॉलर पर आ गया है। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखी गई है। इससे पिछले सप्ताह में भी भंडार 3.06 अरब डॉलर घटकर 696.67 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर 2024 के अंत में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के सर्वोच्च स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था, लेकिन हालिया आंकड़ों के अनुसार इसमें गिरावट का रुझान देखने को मिल रहा है। 18 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के प्रमुख घटक, विदेशी मुद्रा आस्तियां, 1.20 अरब डॉलर घटकर 587.61 अरब डॉलर रह गईं। विदेशी मुद्रा आस्तियों में डॉलर के मुकाबले यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का असर भी शामिल होता है। हालांकि, स्वर्ण भंडार में इस दौरान मामूली वृद्धि दर्ज की गई और इसका मूल्य 15 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.49 अरब डॉलर हो गया। इस सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में भी गिरावट दर्ज की गई और यह 11.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.68 अरब डॉलर पर आ गया। इसके अलावा, भारत का अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखा गया भंडार भी 1.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.69 अरब डॉलर रह गया। इस गिरावट के पीछे विदेशी बाजारों में मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव, आयात-निर्यात असंतुलन और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को संभावित कारण माना जा रहा है।

रेलवे ने ऑनलाइन टिकट धोखाधड़ी रोकने 2.5 करोड़ यूज़र आईडी बंद की

- यूजर्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाए जाने पर लिया फैसला

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग में हो रही गड़बड़ियों और धोखाधड़ी को रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने आईआरसीटीसी की 2.5 करोड़ से अधिक संदिग्ध यूजर आईडी को बंद कर दिया है। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी, जहां सांसद ए. डी. सिंह ने इस मामले को उठाया था। उन्होंने सवाल किया था कि करोड़ों यूजर आईडी क्यों बंद की गईं, टिकट बुकिंग खुलते ही टिकट कैसे गायब हो जाते हैं और इस समस्या से निपटने के लिए रेलवे क्या कदम उठा रहा है। सरकार ने बताया कि इन यूजर्स के बुकिंग पैटर्न में अनियमितताएं पाई गईं, जिसके चलते इनकी आईडी को बंद करना जरूरी था। रेलवे ने यह भी बताया कि ट्रेनों की टिकट मांग साल भर एक जैसी नहीं होती। कुछ ट्रेनों की मांग अधिक होती है, खासकर वे जो लोकप्रिय हैं या जिनमें यात्रा का समय कम होता है। ऐसे ट्रेनों के टिकट जल्दी बिक जाते हैं, जबकि अन्य ट्रेनों में टिकट आसानी से मिल जाते हैं। यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए रेलवे ने कई नए नियम लागू किए हैं। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आइआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप पर आधार कार्ड से वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा। साथ ही, एजेंट तत्काल टिकट बुकिंग खुलने के पहले 30 मिनट तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। यह कदम टिकट बुकिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए उठाया गया है।

आरबीआई की 7 दिन की वीआरआरआर नीलामी में बैंकों ने बढ़ाई बोली

- बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि से अधिक की बोली लगाई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में 7 दिन की वैरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) नीलामी आयोजित की, जिसमें बैंकों ने 1.25 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि से अधिक, यानी 1.42 लाख करोड़ रुपये की बोली लगाई। यह मांग इस बात को दर्शाती है कि बाजार में लिक्विडिटी की जरूरत बढ़ी है। पिछले सप्ताह बैंकों ने आरबीआई के पास जमा किए गए 2 लाख करोड़ रुपये वापस लिए थे, जिससे बाजार में पैसा कम हो गया था और इस नीलामी के जरिए फिर से पैसा उपलब्ध कराया गया। आरबीआई ने इस नीलामी को 5.49 प्रतिशत की कटऑफ रेट पर स्वीकार किया। एक सरकारी बैंक के डीलर ने कहा कि पिछले सप्ताह की वापसी के कारण इस बार मांग अधिक रही। इसके चलते मुद्रा बाजार में ओवरनाइट कॉल रेट गिरकर 5.39 प्रतिशत हो गया, जो पिछले दिन 5.54 प्रतिशत था। यह गिरावट बाजार में सस्ते पैसे का संकेत है। पिछले सप्ताह आरबीआई ने दो बार वीआरआरआर नीलामी कराई थी क्योंकि ओवरनाइट मनी मार्केट रेट ने नीतिगत रीपो रेट से ऊपर जाना शुरू कर दिया था। इन नीलामियों के बाद ओवरनाइट रेट में गिरावट आई, जो मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) से नीचे आ गया। एमएसएफ रेट रीपो रेट से 25 बेसिस पॉइंट ऊपर है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी रेट 25 बेसिस पॉइंट नीचे है। आरबीआई की ये नीलामी और दरों में बदलाव मौद्रिक नीति के तहत बाजार में तरलता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदम हैं, ताकि मनी मार्केट स्थिर रहे और बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त पैसा बना रहे। ऐसे कदम से आर्थिक गतिविधियों को सहारा मिलता है और ब्याज दरों में अस्थिरता कम होती है।

भारत की विनिर्माण गतिविधि जुलाई में उच्चतम स्तर पर पहुंची

- महंगाई-रोजगार की चुनौती बनी चिंता का विषय

मुंबई । जुलाई 2025 में भारत की विनिर्माण गतिविधियां 17.5 वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा जारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जुलाई में 59.2 पर पहुंच गया, जो जून के 58.4 के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि है। यह वृद्धि घरेलू और वैश्विक मांग में मजबूती का संकेत देती है। वहीं विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों का संयुक्त पीएमआई 60.7 पर पहुंच गया, जो पिछले एक साल से अधिक समय में सबसे तेज उछाल है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से तेज मांग, तकनीकी निवेश और उत्पादन क्षमता के विस्तार के कारण संभव हुई है। रोजगार के क्षेत्र में भी सकारात्मक विकास देखने को मिला है, खासकर सेवा क्षेत्र में रोजगार सृजन में मजबूती आई है। भारतीय कंपनियां आने वाले 12 महीनों में उत्पादन वृद्धि को लेकर आशावादी हैं।

कंपनियों ने इस वृद्धि के पीछे बढ़ती मांग, तकनीक में निवेश और क्षमताओं के विस्तार को मुख्य कारण बताया है। पीएमआई आंकड़ों से यह भी पता चला कि वस्तु उत्पादकों ने सेवा प्रदाताओं की तुलना में उत्पादन में तेजी से वृद्धि दर्ज की है, जो अप्रैल 2024 के बाद से सबसे मजबूत रही। हालांकि सेवा क्षेत्र में जुलाई के दौरान गतिविधियों में थोड़ी नरमी देखी गई, फिर भी ऐतिहासिक मानकों के अनुसार वृद्धि की दर अच्छी रही। निजी क्षेत्र में परिचालन सुधार जारी रहा, साथ ही कुल बिक्री, निर्यात आदेश और उत्पादन स्तर में तेज वृद्धि हुई। हालांकि, कारोबारी विश्वास महंगाई और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण लगभग ढाई साल के निचले स्तर पर आ गया है। रोजगार सृजन की दर भी पिछले 15 महीनों में सबसे कम रही।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत/इंग्लैंड चौथे टेस्ट : इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाई 311 रन की बढ़त, भारत का स्कोर 1/2

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के शनिवार को यहां चौथे टेस्ट मैच के चौथे दिन पहली पारी में 669 रन बनाकर 311 रन की विशाल बढ़त लेने के बाद भारत ने लंच तक दूसरी पारी में एक रन पर दो विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने पहले ही ओवर में लगातार गेंदों पर यशस्वी जायसवाल और बी साई सुदर्शन को आउट कर दिया जिससे मेहमान टीम अब 310 रन से पीछे है।

इससे पहले कप्तान बेन स्टोक्स के शतक की बदौलत इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 रन का विशाल स्कोर बनाया। स्टोक्स (141 रन, 198 गेंद) ने दो साल के सूखे को खत्म करते हुए अपना 14वां टेस्ट शतक जड़ा। जसप्रीत बुमराह ने अपने 48वें टेस्ट में पहली बार एक पारी में 100 या उससे ज्यादा रन दिए। भारत के लिए रविंद्र जडेजा ने चार विकेट लिए। तीसरे दिन स्टंप्स के समय इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स 77 रन पर खेल रहे थे जबकि लियाम डॉसन 21 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए है। रूट ने अपनी इस यादगार पारी के दौरान ओली पोप (71) के साथ तीसरे विकेट के लिए 144 और बेन स्टोक्स के साथ 142 रन की साझेदारी की।

रूट ने अपनी 248 गेंद की शानदार पारी के दौरान 14 चौके लगाने के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। वह 120 के व्यक्तिगत स्कोर पर पहुंचते ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग (13378) को पछाड़कर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गये। अपना 157वां टेस्ट खेल रहे 34 साल के रूट ने दिन के पहले सत्र में सबसे ज्यादा टेस्ट रन के मामले में भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ (13288) और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व महान हरफनमौला जैक कैलिस (13289) को पीछे छोड़ा। वह अब सिर्फ भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (15921) से पीछे हैं।

भारत के खिलाफ 2012 में नागपुर टेस्ट पदार्पण करने वाले रूट ने इस देश के खिलाफ अपना 12वां शतक जड़कर एक और रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के भारत के खिलाफ 11 टेस्ट शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। रूट के टेस्ट करियर का यह 38 वां शतक हैं। वह खेल के सबसे लंबे प्रारूप में शतक बनाने वालों की सूची में श्रीलंका के पूर्व दिग्गज कुमार संगकारा के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं। इस सूची में उनसे आगे तेंदुलकर (51), जैक कैलिस (45) और पोंटिंग (41) हैं। रूट ने अपनी इस यादगार पारी के दौरान ओली पोप (71) के साथ तीसरे विकेट के लिए 144 और स्टोक्स के साथ 142 रन की साझेदारी की।

स्टोक्स 66 रन के व्यक्तिगत स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट हो गये लेकिन क्रिस वोक्स (चार) के रूप में छठा विकेट गिरने के बाद फिर से बल्लेबाजी के लिए क्रीज पर आये। पिच की असमान उछाल को देखते हुए इंग्लैंड की कोशिश बड़ी बढ़त कायम कर भारत पर दबाव बनाने की होगी क्योंकि मैच के चौथे और पांचवें दिन गेंद के नीचे रहने के कारण बल्लेबाजी और मुश्किल होती जाएगी। रूट ने अपनी पारी में मैदान के चारों ओर शानदार शॉट लगाए। तेज गेंदबाजों के खिलाफ कवर क्षेत्र की ओर गेंद को सहलाते हुए चौका लगाने के अलावा उन्होंने शॉट गेंद के खिलाफ सहजता से पुल शॉट खेले तो वही स्पिनरों के खिलाफ आसानी से स्वीप और रिवर्स स्वीप पर रन बटोरे। उनकी पारी का अंत दिन के आखिरी सत्र में रविंद्र जडेजा (117 रन पर दो विकेट) की गेंद पर हुआ, जब उनका पैर क्रीज से बाहर निकल गया और विकेट के पीछे ध्रुव जुरेल ने समय गवाएं बिना गिल्लियां बिखेर दी।

जसप्रीत बुमराह (95 रन पर एक विकेट) ने इसके बाद खतरनाक जैमी स्मिथ (नौ) को चलता किया तो वहीं मोहम्मद सिराज (113 रन पर एक विकेट) को वोक्स के रूप में पहली सफलता मिली। भारतीय गेंदबाजों के लिए दिन का पहला सत्र पूरी तरह से निराशाजनक रहा लेकिन वाशिंगटन सुंदर (57 रन पर दो विकेट) ने

दूसरे सत्र की शुरुआत में पोप और हैरी ब्रुक (तीन) के विकेटों के साथ भारत को दो सफलता दिलाई। भारत ने लंच के बाद दूसरे सत्र की शुरुआत में सुंदर और रविंद्र जडेजा की स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी से गेंदबाजी कराई। सुंदर ने पोप को स्लीप में लोकेश राहुल के हाथों कैच कराकर रूट के साथ तीसरे विकेट के लिए उनकी 144 रन की साझेदारी को तोड़ा। हैरी ब्रुक सुंदर के खिलाफ क्रीज से बाहर निकल कर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में स्टंप हो गए।

रूट ने अंशुल कंबोज (89 रन पर एक विकेट) के खिलाफ ग्लांस कर चौके के साथ टेस्ट में अपना 38वां शतक पूरा किया और चाय के विश्राम से पहले इस गेंदबाज के खिलाफ एक रन चुराकर पोंटिंग के टेस्ट करियर के रनों को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने नयी गेंद से सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी की और फिर मैदान से बाहर चले गये जिससे भारत की मुश्किलें और बढ़ गयी। वह चाय के विश्राम से पहले गेंदबाजी के लिए लौटे लेकिन अंपायरों ने उन्हें बताया कि वह जितने देर मैदान से बाहर रहे है उतना समय मैदान पर बिताने के बाद ही गेंदबाजी कर सकते हैं।

बुमराह के नाम जुड़ा एक और रिकॉ... इंग्लैंड में 50 टेस्ट विकेट वाले तीस... एशियाई तेज गेंदबाज बने

लंदन (एजेंसी)। मैनचेस्टर ... भारतीय अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में 50 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह वसीम अकरम (53) और इशांत शर्मा (51) के बाद इंग्लैंड में 50 टेस्ट विकेट लेने वाले सरे एशियाई गेंदबाज बन गए। उन्होंने शुक्रवार को ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट मैदान पर चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की।

अब बुमराह के नाम 12 मैचों में 26.38 की औसत और मात्र 2.79 की इकॉनमी रेट के साथ 50 विकेट हो गए हैं। उन्होंने 4 विकेट हॉल भी अपने नाम किए हैं। बुमराह ने चौथे टेस्ट के तीसरे दिन 15 ओवर फेंके, 48 रन दिए और विकेटकीपर जेमी स्मिथ का केवल एक विकेट लिया। दूसरे दिन की गेंदबाजी को ध्यान में रखते... उनका कुल स्पेल 28 ओवर... 1/95 रहा।

श्रृंखला में तीसरे सबसे ... विकेट लेने वाले गेंदबाज होने ... बावजूद उन्होंने पांच पारियो... 26.69 की औसत से 13 वि... लिए, जिसमें 2 बार पांच विके... शामिल हैं, लेकिन आंकड़े अभी... निराशाजनक लग रहे हैं क्योंकि... चोट के कारण लंबे समय तक ... रहने के बाद टेस्ट मैचों में वापसी... रहे थे, जो बॉर्डर-गावस्कर ... 2024/25 के दौरान ऑस्ट्रेलिया... खिलाफ घर से दूर हुई थी, जि... दौरान उन्होंने 13.06 की औसत... रिकॉर्ड तोड़ 32 विकेट लिए, जि... दो बार चौके और तीन बार ... विकेट शामिल हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एथरटन बोले- भारत के दो विकेट जल्दी गिरना कोई आश्चर्य की बात नहीं

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन का मानना है कि ओल्ड ट्रैफर्ड में चल रहे चौथे टेस्ट में भारत अब बहुत पीछे है। उन्होंने आगे कहा कि चौथे दिन लंच ब्रेक से पहले मेहमान टीम के दो विकेट जल्दी गिरने से उन्हें कोई आश्चर्य नहीं हुआ। अनुभवी ऑलराउंडर क्रिस वोक्स ने यशस्वी जायसवाल और बी साई सुदर्शन को शून्य पर आउट कर दिया जिससे भारत तीन ओवर में मुश्किल में पड़ गया। वे अभी भी इंग्लैंड से 300 से ज़्यादा रन पीछे हैं और टेस्ट को आखिरी दिन तक ले जाने के लिए उन्हें कुछ बड़ा करने की जरूरत है।

एथर्टन ने कहा, 'सलामी बल्लेबाजों को 300 से ज़्यादा रन पीछे रहना होगा, टेस्ट क्रिकेट में शायद इससे मुश्किल कोई स्थिति नहीं होती और इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि शुरुआती दो विकेट गिर गए। अब बहुत पीछे है। जायसवाल के लिए यह पुरानी सीरीज वाकई मजेदार रही है, कुछ उतार-चढ़ाव भरे भी। और सुदर्शन के साथ भारत को तीसरे नंबर पर एक समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वे वहां किसी को चुन ही नहीं पा रहे हैं।'

टिम डेविड ने लगाया तीसरा सबसे तेज शतक, ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को हराकर टी20 श्रृंखला जीती

बासेटेरे (सेंट किट्स) (एजेंसी)। टिम डेविड ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सबसे तेज शतक बनाया जिससे उनकी टीम ने शुक्रवार को पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शाई होप के नाबाद 102 रन की मदद से चार विकेट पर 214 रन बनाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने डेविड और मिशेल ओवेन की 128 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 16.1 ओवर में चार विकेट पर 215 रन बनाकर जीत सुनिश्चित की और श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

डेविड ने सेंट किट्स के वार्नर पार्क में छोटे मैदान का पूरा फायदा उठाते हुए

अपना छठा चौका लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक पूरा किया और ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने सिर्फ 37 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से नाबाद 102 रन बनाए और पिछले साल स्कॉटलैंड के खिलाफ जोश इंग्लिस द्वारा बनाए गए 43 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्णकालिक सदस्य देशों में यह क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में तीसरा सबसे तेज शतक भी है। केवल भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ही उनसे आगे हैं। इन दोनों ने 2017 में 35 गेंदों में शतक लगाया था।

डेविड ने मैच के बाद कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे ऑस्ट्रेलिया की तरफ से शतक बनाने का मौका मिलेगा, इसलिए मैं उस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं और बहुत उत्साहित हूं।' डेविड की आतिशी पारी ने होप (57 गेंदों पर 102 रन) के शानदार नाबाद शतक को फीका कर दिया, जिसमें आठ चौके और छह छक्के शामिल हैं। होप ने अपने सलामी जोड़ीदार ब्रैंडन किंग के साथ मिलकर 11.4 ओवर में 125 रन जोड़े। किंग ने 36 गेंदों पर 62 रन बनाए। क्रिस गेल के बाद होप वेस्टइंडीज के ऐसे दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने तीनों प्रारूप में शतक लगाए हैं।

मेस्सी एक मैच के लिए निलंबित, इंट... मियामी ने जताया विरोध

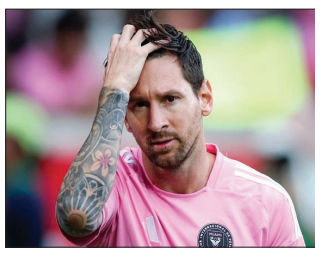

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)। लियोनेल मेस्सी और जोर्डी अल्बा को ऑल स्टार मै... भाग नहीं लेने के कारण मेजर लीग सॉकर (स्र्रू) ने एक मैच के लिए निलंबित... दिया है जिसका उनके क्लब इंटर मियामी ने विरोध किया है। इंटर मियामी के मा... जॉर्ज मास ने शुक्रवार को एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, 'यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है।' मेस्सी और अल्बा ने एमएलएस और मैक्सिको के लीगा एमएक्स के बीच मैच के लिए टीम में चुने जाने के बावजूद हिस्सा नहीं लिया था। मेस्सी व्यस्त कार्यक्रम

के बीच आराम करने के लिए नहीं खेले और अल्बा अपनी पिछली चोट से जूझ र... मास ने कहा कि क्लब ने मेस्सी और अल्बा को ऑल-स्टार मैच से बाहर रखने... फैसला किया। स्र्रू के नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो लीग से अनुमति... बिना ऑल स्टार मैच में नहीं खेलता उसे एक मैच के लिए निलंबित कर दिया जाता...

जो रूट ने तोड़ा रिकी पोंटिंग का 13 साल पुराना रिकॉर्ड, पोंटिंग ने दी बधाई

नई दिल्ली। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचते हुए अब तक के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम हासिल किया, जिनका रिकॉर्ड पिछले 13 वर्षों से अटूट बना हुआ था। जो रूट अब सिर्फ भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 15,921 रन दर्ज हैं, जबकि रूट के अब 13,409 रन हो गए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल करते समय रूट 120 रन पर नाबाद थे। रिकी पोंटिंग खुद उस समय कमेंट्री कर रहे थे और उन्होंने रूट को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए ऑन-एयर बधाई दी। पोंटिंग ने कहा, जो रूट को बधाई। अब वह

टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। यह इतिहास का एक शानदार क्षण है। ओल्ड ट्रैफर्ड का यह जानकार दर्शक वर्ग इस पल का गवाह बना। अब बस एक और खिलाड़ी उनसे आगे है सचिन तेंदुलकर। जो रूट की यह पारी उनकी मौजूदा फॉर्म का प्रमाण भी है। इस पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में यह उनका दूसरा शतक है, और उन्होंने इस मुकाबले में 150 रन की अहम पारी खेली। इस प्रदर्शन के साथ ही सीरीज में उनके कुल रन 400 के पार पहुंच गए हैं। खास बात यह है कि इस मैच से पहले वह सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में पांचवें स्थान पर थे, लेकिन अब उन्होंने राहुल द्रविड़, जैक कैलिस और पोंटिंग को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। रूट की निरंतरता और तकनीकी उत्कृष्टता ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में शामिल कर दिया है। जिस तरह से उन्होंने बीते कुछ वर्षों में प्रदर्शन किया है, उसे देखकर क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर फिटनेस बनी रही तो वह सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को भी चुनौती दे सकते हैं।

एशिया कप 2025 का आयोजन यूएई में होगा

- 9 से 28 सितंबर तक चलेगी प्रतियोगिता

ढाका (एजेंसी)। एशिया कप 2025 का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 9 से 28 सितंबर तक किया जाएगा। इसकी आधिकारिक पुष्टि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने ढाका में हुई बैठक के बाद की। इस बैठक में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिनिधि भी वर्चुअली शामिल हुए। नकवी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट क्रिकेट प्रेमियों के लिए शानदार अनुभव होगा और जल्द ही विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी दी जाएगी।

गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट की मेजबानी मूल रूप से भारत को सौंपी गई थी, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच

जारी राजनीतिक तनाव के चलते इसका स्थानांतरण यूएई में कर दिया गया। टूर्नामेंट के मुकाबले दुबई, शारजाह और अबू धाबी जैसे शहरों में कराए जाने की संभावना है। एशिया कप 2025 इस बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, यूएई, हांगकांग और ओमान जैसी टीमें भाग लेंगी। भारत मौजूदा चैंपियन है, जिसने 2023 में श्रीलंका को हराकर 50 ओवर के फॉर्मेट में यह खिताब अपने नाम किया था।

इससे पहले 2023 का एशिया कप भी भारत-पाक संबंधों के कारण हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें चार मैच पाकिस्तान और बाकी श्रीलंका में आयोजित किए गए थे। इसी तरह, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर भी राजनीतिक माहौल का असर पड़ा और भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाकर खेलने से इनकार कर दिया, जिससे उसे यूएई में ही अपने सभी मुकाबले खेलने पड़े। टूर्नामेंट के कार्यक्रम को लेकर उत्साह इस बात से भी है कि अगर भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया तो वे तीन बार भिड़ सकते हैं ग्रुप स्टेज, सुपर-4 और फिर फाइनल में। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह एक रोमांचक अनुभव साबित हो सकता है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को असुरक्षित बता... वाली रिपोर्ट से महिला विश्व कप पर संकट

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी'कुन्हा आयो... बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को जनसमूह के लिए अनुपयुक्त ... असुरक्षित घोषित कर दिया है। यह निष्कर्ष उस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद आय... जिसमें आईपीएल विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जश्न के दौरान मची भगद... 11 प्रशंसकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना के बाद ... सरकार ने आयोग का गठन किया था, जिसकी रिपोर्ट अब राज्य मंत्रिमंडल के स... पेश की जा चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेडियम का वर्तमान ढांचा बड़ी भी... अनुकूल नहीं है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को गंभीर खतरा है। इस रिपोर्ट के प्र... में आने के बाद इस साल के अंत में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के शुरु... मुकाबले और फाइनल जैसे बड़े आयोजन खतरे में पड़ सकते हैं, क्योंकि ये... चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही निर्धारित हैं। इससे बीसीसीआई को वैकल्पिक स्थान... विचार करना पड़ सकता है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने भी एहति... के तौर पर अगले महीने होने वाले महाराजा ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट को दर्शकों के ... कराने का फैसला लिया है। आयोग का कहना है कि बड़ी खेल प्रतियोगिताओं को... स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जो बड़ी संख्या में दर्शकों को सुरक्षित... से समायोजित कर सकें। रिपोर्ट में सुधारात्मक सुझाव भी शामिल हैं, जैसे प्रवेश ... निकास द्वारों का पुनर्गठन तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप आपातका... निकासी योजनाओं की तैयारी। आयोग ने चेताया है कि जब तक ये ढांचागत परि... नहीं होते, तब तक चिन्नास्वामी जैसे आयोजन स्थलों पर बड़े कार्यक्रमों का आयो... सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जोखिम बना रहेगा। इसके साथ ही आयोग ने केएससी... शीर्ष पदाधिकारियों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्य... शुरू करने की सिफारिश की है। हालांकि, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स ने इस आ... और उसकी रिपोर्ट के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का ... किया है।

दूसरे छोर से सहयोग मिलने पर और खतरनाक हो जाते हैं बुमराह: जोनाथन ट्रॉट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर अहम टिप्पणी की है। उनका मानना है कि बुमराह जब गेंदबाजी के दूसरे छोर से अच्छा समर्थन पाते हैं, तो बुमराह कहीं ज्यादा असरदार साबित होते हैं। मौजूदा पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पिछड़ रही है और चौथे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड पर 186 रनों की बढ़त हासिल कर चुका है। इस मैच में बुमराह अब तक कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं, हालांकि ट्रॉट का कहना है कि उन्होंने सधी हुई गेंदबाजी की है, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया।

ट्रॉट ने कहा कि बुमराह की इकॉनमी दर इस बात का संकेत है कि उन्होंने अनुशासित गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त दबाव का सहयोग नहीं मिला। जब गेंदबाजी इकाई पूरी ताकत से नहीं खेल रही होती, तो दोनों सिरों से एक साथ दबाव बनाना जरूरी हो जाता है, जिससे बल्लेबाजों पर असर पड़ता है। ट्रॉट ने यह भी जोड़ा कि जब गेंदबाज अकेले दम पर जिम्मेदारी उठाते हैं, तो सफलता मिलना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने भारतीय टीम के गेंदबाजी संयोजन पर भी सवाल उठाए और कहा कि अंशुल कंबोज टेस्ट क्रिकेट की कसौटी पर खरे नहीं उतर पाए। तेज गेंदबाजों ने लगभग 82 ओवर में केवल तीन विकेट चटकाए, जबकि स्पिनरों ने 52 ओवर में चार विकेट लिए। ऐसे में भारत को अपनी गेंदबाजी रणनीति पर गंभीरता से

पुनर्विचार करने की जरूरत है। बुमराह के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक इस दौरे पर दो टेस्ट खेले हैं और दोनों में भारत को हार का सामना करना पड़ा है। मौजूदा मैच संभवतः उनका इस सीरीज में आखिरी मुकाबला हो सकता है, और अब तक की स्थिति देखकर ऐसा नहीं लगता कि टीम को उनसे उस प्रभाव की उम्मीद पूरी तरह मिल पाई है, जो आमतौर पर उनसे जुड़ी रहती है।

'बुमराह जल्द ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं', पूर्व भारतीय क्रिकेटर का चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट मैच में मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने में विफल रहने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। बुमराह ने अब तक इंग्लैंड की पहली पारी में 28 ओवर फेंके हैं और 1/95 रन देकर एक विकेट के आंकड़े के साथ लौटे हैं।

शुक्रवार को खेल के अंतिम सत्र में उनका एकमात्र आउट जेमी स्मिथ था। यह विकेट लेने के बारे में नहीं था, लेकिन चल रहे चौथे टेस्ट में उनकी गति में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जहां वह ज्यादातर 130-135 किमी प्रति घंटे की रेंज में चल रहे हैं। हेडिंग्ले में श्रृंखला के पहले मैच के दौरान उनकी गति से काफी गिरावट आई है। लीड्स और लॉर्ड्स दोनों टेस्ट मैचों में, 31 वर्षीय खिलाड़ी ने लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को छुआ।

कैफ ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे और शायद संन्यास भी ले लें। वह अपने शरीर के साथ संघर्ष कर रहे हैं और इस टेस्ट मैच में उनकी गति कम हो गई है। वह एक ईमानदार इंसान हैं और अगर उन्हें लगता है कि वह देश को अपना शत-प्रतिशत नहीं दे पा रहे हैं, तो वह खुद को बाहर कर लेंगे। विकेट न मिलना एक बात है, लेकिन गति भी 125-130 किमी प्रति घंटे तक गिर गई है।'

चिंताएं तब और बढ़ गईं जब बुमराह को दूसरे सत्र के दौरान अपने टखने को पकड़ते हुए देखा गया, हालांकि वह बाद में गेंदबाजी करने के लिए वापस लौटे। यहां तक कि कमेंटेटरों ने भी कहा कि वह खुद को संभालते हुए अपने आप में ही गेंदबाजी करते हुए और सावधानी से क्रीज पर आते हुए दिखाई दिए। कार्यभार प्रबंधन के कारण बुमराह पहले से ही 5 में से केवल तीन टेस्ट मैचों में ही खेल पाएंगे, कैफ ने सुझाव दिया कि प्रशंसकों को आगे चलकर उन्हें लंबे प्रारूप में कम देखने की संभावना के साथ तालमेल बिठाना शुरू करना होगा।

पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा, 'उनके जुनून और प्रतिबद्धता पर कोई शक नहीं है, लेकिन उनका शरीर कमजोर पड़ रहा है। इस टेस्ट में उनका खराब प्रदर्शन साफ दर्शाता है कि उन्हें आगे टेस्ट मैच खेलने में दिक्कत होगी और शायद वह टेस्ट मैच भी न खेलें। विराट कोहली, रोहित शर्मा और अश्विन के बाद भारतीय प्रशंसकों को बुमराह के बिना खेलने के लिए खुद को तैयार करना होगा। मुझे उम्मीद है कि मेरी भविष्यवाणी गलत निकलेगी, लेकिन मैंने जो देखा, मैं वही कह रहा हूं।'

दीक्षा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारती...

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड)। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2... ढ्ढस्क्क- हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने ... एकमात्र भारतीय रही। दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76... कार्ड खेल कुल एक ओवर के स... के साथ कट में प्रवेश किया। क... कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह ब... दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 6... कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत क... लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार ... रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पद... कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड ... दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद ... 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। दीक्षा आखिरी दो होल में ... लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स... छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (... 73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रफ्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।

गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों को साफ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बारूदी सुरंग विस्फोट में एक जवान शहीद, दो घायल

पुंछ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में गुरुवार को गश्त के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया था। इस विस्फोट में भारतीय सेना का एक जवान शहीद हो गया, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सेना सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार, नियमित गश्त के दौरान एक जवान का पैर छिपी हुई बारूदी सुरंग पर पड़ गया, जिससे जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट की चपेट में तीन जवान आ गए। तत्काल राहत अभियान चलाकर घायलों को नजदीकी सैन्य अस्पताल पहुंचाया गया। वहां अग्निवीर जवान ललित कुमार को शहीद घोषित कर दिया गया। वहीं, नायब सूबेदार हरीराम और हवलदार गजेन्द्र सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा के लिए कमांड अस्पताल रेफर कर दिया गया। धमाके की आवाज सुनते ही पास ही में मौजूद अन्य सैनिक भी मौके पर पहुंचे और इलाके को घेर लिया। सेना और प्रशासन की संयुक्त टीमें अब क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि किसी और खतरे की आशंका को सिरे से खत्म किया जा सके। सेना ने घटना पर गहरा शोक जताया है। इसी के साथ क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी कर दी गई है।

अदालतें आपराधिक शिकायतों में संशोधन की अनुमति दे सकती हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि आपराधिक मामलों में दायर शिकायतों में संशोधन किया जा सकता है, बशर्ते इससे अभियुक्त के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ रहा हो। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि प्रक्रियात्मक कानून का उद्देश्य न्याय में सहायक होना है, न कि उसे बाधित करना। अदालत ने यह टिप्पणी परक्राम्य लिखत अधिनियम (नेगोशेबल इन्सट्रूमेंट एक्ट) की धारा 138 के तहत दायर एक आपराधिक शिकायत में संशोधन की अनुमति देते हुए की। पीठ ने कहा, कि यदि आरोपों में बदलाव से अभियुक्त को कोई पूर्वाग्रह नहीं होता, तो मुकदमा आगे बढ़ सकता है। लेकिन अगर पूर्वाग्रह की संभावना है, तो अदालत नए मुकदमे का आदेश दे सकती है या सुनवाई को स्थगित कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 217 के तहत अभियोजन और बचाव पक्ष को यह अधिकार है कि आरोपों में बदलाव की स्थिति में वे गवाहों को पुनः बुला सकते हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि शिकायतों में संशोधन का प्रावधान भारतीय दंड प्रक्रिया प्रणाली के लिए कोई नई बात नहीं है और यह न्याय की सुचारु प्रक्रिया का हिस्सा है।

विवादों के चलते बढ़ा आक्रोश : हिमाचल में मंत्री की गाड़ी पर फेंका जूता दिखाए काले झंडे?

मंडी (एजेंसी)। जिले के सराज के थुनाग में बागवानी और राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी का घेराव किया गया। इस दौरान उनका काफिला रोकने और फिर गाड़ी पर काले झंडे और जूता फेंका गया। इउस पर अब कैबिनेट मंत्री जगत सिंह नेगी की प्रतिक्रिया आई है थुनाग से वापिस लौटते वक्त गोहर के बासा स्थित विश्राम गृह में उन्होंने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में अपना पक्ष रखा और इस सारे प्रकरण को भाजपा की सोची समझी साजिश बताया। उन्होंने कहा कि थुनाग बाजार के कुछ दुकानदार नहीं चाहते कि राजकीय औद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय यहां से शिफ्ट हो, जबकि इसमें पढ़ने वाले स्टूडेंट्स और उनके परिजन सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पहले भी यहां आपदा आ चुकी है। पूर्व सरकार ने यहां हॉस्टल बनाने के लिए कोई काम नहीं किया, बच्चों को रहने में दिक्कतें पेश आ रही हैं। अब इस कॉलेज को गोहर उपमंडल के गुडाहरी में शिफ्ट करने की योजना है और जल्द ही सरकार के आदेशों पर इसे वहां शिफ्ट कर दिया जाएगा।जगत सिंह नेगी ने बताया कि उनके सराज दौरे के दौरान थुनाग को छोड़कर और कहीं पर भी कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और प्रभावितों से मुलाकात करके उनकी समस्याएं भी सुनी और उनका समाधान भी किया। गौरतलब है कि सराज घाटी के थुनाग में 20 जून और 1 जुलाई को फ्लेश फ्लड आ गया था। इस दौरान बागवानी कॉलेज के बच्चे भी फंस गए थे और बाद में उन्हें निकाला था। यहां पर सड़कों और घाटी को काफी नुकसान हुआ है और इस वजह से सरकार यहां से कॉलेज को शिफ्ट करना चाहती है, जबकि लोग विरोध कर रहे हैं।

भागलपुर में पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला, सब इंस्पेक्टर आईसीयू में भर्ती

भागलपुर (एजेंसी)। भागलपुर के पीरपैंती में पुलिस टीम पर हमला हुआ, जिसमें सब इंस्पेक्टर दुबे देवगुरु गंभीर रूप से घायल हुए और उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। यह घटना तब हुई जब पुलिस अपहरण की सूचना पर निजी वाहन में और सादे कपड़ों में मौके पर पहुंची।

बात दें कि कहलगांव पुलिस को अपहरण की जानकारी मिली थी। इसके बाद रात 10 बजे पुलिस टीम एक निजी गाड़ी में सादे कपड़ों में गांव पहुंची। गांव में किसी ने पुलिस को देखकर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। गोलियों की आवाज सुनकर सैकड़ों ग्रामीण इकट्ठा हो गए और उन्होंने पुलिस टीम को घेर लिया। इस दौरान दोनों ओर से कुल 18 राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ ने एसआई दुबे देवगुरु सहित 4 पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। ग्रामीणों ने उन पर पत्थर फेंके और लाठी-डंडों से भी मारा। मारपीट में एसआई दुबे देवगुरु को गंभीर हालत में अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

हमले की सूचना पर दूसरी पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसमें कहलगांव थाने के एसआई शत्रुघ्न कुमार, एनटीपीसी थानाध्यक्ष सुशील कुमार और डीएसपी कल्याण आनंद शामिल थे। गांव वालों ने उन पर भी हमला कर दिया, जिसके बाद इन सभी पुलिसकर्मियों को भागकर जान बचानी पड़ी। कुछ पुलिसकर्मियों के जूते मौके पर ही छूट गए। घायल अफसरों और पुलिसकर्मियों को एनटीपीसी अस्पताल और फिर मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कांग्रेस पर भड़के शिवराज, कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाना 'महापाप', बोले- ये देशद्रोह जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर पाकिस्तान की भाषा बोलने और कारगिल विजय दिवस पर बेवजह सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का विरोध करने की कोशिश में कांग्रेस देश का ही विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कारगिल विजय दिवस पर भी सवाल उठाती है। 2004 से 2009 तक, जब यूपीए सत्ता में थी, कारगिल विजय दिवस नहीं मनाया गया। यहाँ तक कि एक कांग्रेस सांसद ने भी कहा था कि हम जश्न क्यों मनाएँ? वह युद्ध एनडीए सरकार के दौरान लड़ा गया था।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब देश युद्ध लड़ता है, तो क्या वह किसी सरकार के लिए करता है? क्या ऐसे सवाल उठाना देशभक्ति है? कांग्रेस न केवल कारगिल, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाने का पाप कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस का रवैया ÷राष्ट्र-विरोधी÷ होने की हद तक पहुँच गया है और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा सैनिकों की बहादुरी का सम्मान किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया राष्ट्र-विरोधी होने की हद तक जाता है। प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते वे देश का ही विरोध करने लगे। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। लेकिन हम अपने सैनिकों की बहादुरी के आगे नतमस्तक हैं। चौहान कांग्रेस नेता राशिद अल्वी द्वारा 2009 में दिए गए उस बयान का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि ÷कारगिल जश्न मनाने की चीज़ नहीं है÷ और ÷एनडीए जश्न मना सकता है।÷ उन्होंने यह भी कहा कि चूँकि यह युद्ध प्रधानमंत्री अटल वाजपेयी के नेतृत्व में हुआ था, इसलिए यह पूरे देश की नहीं, बल्कि गठबंधन की जीत थी।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेता सिर्फ़ ग़लत काम करते हुए लगातार माफ़ी मांगना जानते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कैसे लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपातकाल, राफेल सौदे, सिख दंगों समेत कई चीज़ों के लिए माफ़ी मांगी है। उन्होंने कहा कि अगर वह आज कुछ ग़लत करेंगे, तो राहुल गांधी दस साल बाद उसके लिए माफ़ी मांगेंगे।

उन्होंने आगे कहा, ÷राहुल जी को बहुत देर से समझ आती है। पहले उन्होंने आपातकाल के लिए माफ़ी मांगी। फिर उन्होंने सिख दंगों के लिए माफ़ी मांगी। फिर उन्होंने ओबीसी से माफ़ी मांगी। कांग्रेस ने ओबीसी के लिए क्या किया? कांग्रेस ने ओबीसी के कल्याण के हर संभव कदम को कुचलने का काम किया। उन्होंने राफेल मामले में भी माफ़ी मांगी और अब राहुल गांधी जो कर रहे हैं, उसके लिए वह दस साल

बाद फिर माफ़ी मांगेंगे। वह कभी सही काम नहीं करते और दस साल बाद माफ़ी मांगते हैं।÷ इससे पहले दिन में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, पार्टी अध्यक्ष ने लिखा कि उन्होंने कारगिल युद्ध में मातृभूमि की बहादुरी से रक्षा की।

हिमाचल में बारिश का कहर जारी... 221 सड़कें, 36 बिजली के ट्रांसफॉर्मर और 152 जलापूर्ति योजनाएं बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनदिनों देश के कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। देश के उत्तरी पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश का कहर लगातार जारी है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के मुताबिक राज्य में शुक्रवार शाम तक 221 सड़कें, 36 बिजली के ट्रांसफॉर्मर और 152 जलापूर्ति योजनाएं बंद थीं। हिमाचल में इस बारिश सीजन 24 जुलाई तक बादल फटने की 25, लैंडस्लाइड की 30 और अचानक बाढ़ की 42 घटनाएं हुई हैं। इसमें से 414 मकान और 297 मकान जमींदोज हो गए। वहीं, 877 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा। राज्य में अब तक 153 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 1436 करोड़ रुपए की सरकारी व निजी संपत्ति नष्ट हो चुकी हैं। वहीं मध्य प्रदेश के बालाघाट में लांजी के प्रसिद्ध भगवान कोटेश्वर मंदिर के गर्भगृह में पानी भर गया। शनिवार सुबह से हो रही बारिश के कारण मंदिर जाने वाले रास्ते पर काशीनाला पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। इसके बावजूद लोग मंदिर पहुंच रहे हैं। सुरक्षा को देखते हुए मंदिर के गेट को बंद कर दिया गया है। मध्यप्रदेश से सटे महाराष्ट्र के पालघर जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इससे जिले की नदियां और नहरें उफान पर हैं। सूर्या, वैतरणा और पिंजल नदी में बाढ़ आई हुई है। बांधों का जलस्तर भी बढ़ा हुआ है। धामनी और कवदास बांध से सूर्या नदी में 10 हजार 400 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विभाग ने पालघर में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

हिंजवड़ी आईटी पार्क के बेंगलुरु-हैदराबाद शिफ्ट होने पर भड़के अजित पवार

-यह पार्क पुणे की अर्थव्यवस्था और टेक इंडस्ट्री का एक अहम हिस्सा

पुण (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे पुणे के हिंजवड़ी आईटी पार्क के बेंगलुरु और हैदराबाद शिफ्ट होने को लेकर नाराजगी जता रहे हैं। अजित ने यह बयान पिंपरी-चिंचवड़ में नागरिक कार्यों का निरीक्षण के दौरान दिया, जहां उन्होंने वॉटर लॉगिंग को लेकर सुबह 6 बजे से दौरा शुरू किया था। इस दौरान एक स्थानीय सरपंच ने मीडिया की मौजूदगी में उनसे इलाके की समस्याओं को लेकर सवाल किए।

इस पर अजित पवार ने कहा कि हम बर्बाद हो गए हैं। हिंजवड़ी का पूरा आईटी पार्क बाहर जा रहा है। मेरा पुणे, मेरा महाराष्ट्र छोड़कर बेंगलुरु और हैदराबाद जा रहा है, आपको कोई फर्क नहीं पड़ता क्या? अजित ने कहा कि वो इतनी सुबह निरीक्षण के लिए क्यों आते हैं, उन्हें समझ नहीं आता। उन्होंने कहा कि डैम बनाते समय मंदिर भी हटाए जाते हैं। आप जो कहना है कहिए, मैं सुनूंगा...लेकिन करूंगा वही जो मैं चाहूंगा।

अजित पवार ने मीडिया कर्मियों से कैमरा बंद करने की भी अपील की और कहा कि अब सख्त कार्रवाई ही एकमात्र रास्ता है। बता दें हिंजवड़ी का राजीव गांधी इन्फोटेक पार्क महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलेपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा विकसित किया गया है, जो करीब 2800 एकड़ में फैला है और यहां 800 से ज्यादा कंपनियों के ऑफिस हैं। यह पार्क पुणे की अर्थव्यवस्था और टेक इंडस्ट्री का एक अहम हिस्सा है।

बता दें अजित पवार सुबह 6 बजे हिंजेवाड़ी पहुंचे, जहां उन्होंने जलभराव जैसी स्थानीय समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने पिंपरी चिंचवाड़ के कई इलाकों का दौरा किया। पिंपरी चिंचवाड़ में नगर निगम के कार्यों का निरीक्षण करते हुए पवार के गुस्से का वीडियो वायरल हो गया। इस दौरान वह सरपंच से बात कर रहे थे, जब उन्होंने आईटी पार्क के शिफ्ट होने की बात कही।

बंगाल में ममता सरकार के अपराजिता बिल को राज्यपाल ने लौटाया

-टीएमसी नेता घोष ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और शर्मनाक बताया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अपराजिता बिल को राज्य सरकार के पास वापस भेज दिया है। राजभवन के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि केंद्र सरकार ने विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों, खासकर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में दुष्कर्म की सजा से जुड़े प्रावधानों को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं, जिसके बाद राज्यपाल ने यह कदम उठाया।

राज्य विधानसभा ने सितंबर 2024 में अपराजिता महिला और बाल विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में दुष्कर्म के दोषियों के लिए मौजूदा न्यूनतम 10 साल की सजा को बढ़ाकर उम्रकैद या मृत्युदंड देने का प्रस्ताव किया है। सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्रालय ने इस सजा को 'अत्यधिक कठोर और असंगत' बताते हुए असहमति जताई है। इसके अलावा, विधेयक में बीएनएस की धारा 65 को हटाने का प्रस्ताव भी शामिल है, जो वर्तमान में 16 और 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ दुष्कर्म के लिए विशेष रूप से कठोर दंड का प्रावधान करती है। इस प्रस्तावित बदलाव को भी गृह मंत्रालय ने समस्याजनक बताया है।

सबसे ज्यादा विवाद धारा 66 के तहत आने वाले एक खंड को लेकर खड़ा हुआ है, जिसमें दुष्कर्म के ऐसे मामलों में मृत्युदंड को अनिवार्य करने की बात कही है, जहां पीड़िता की मृत्यु हो जाती है या वह जीवनभर के लिए लाचार हो जाती है। मंत्रालय ने इसे न्यायिक विवेकाधिकार को खत्म करने वाला प्रावधान बताया है और यह भी कहा कि यह देश के संवैधानिक और कानूनी ढांचे के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के स्थापित फैसलों का उल्लंघन करता है।

उधर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रवक्ता कुणाल घोष ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्र और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि अपराजिता विधेयक को लौटाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय है। सीएम ममता बनर्जी ने महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए यह विधेयक लाया था, ताकि ऐसे जघन्य अपराधों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके। घोष ने कहा कि राजभवन की ओर से उठाए मुद्दों पर सीएम ममता जरुरत जवाब देंगी, लेकिन यह साफ है कि बीजेपी दुष्कर्म जैसे अपराधों में अधिकतम सजा लागू करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि इनके कई नेता खुद इन मामलों में आरोपी हैं। यह एक मॉडल विधेयक है, जिसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए था।

बता दें अपराजिता विधेयक को राज्य विधानसभा ने 9 अगस्त 2024 को सर्वसम्मति से पारित किया था। यह कदम कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की दिल दहला देने वाली घटना के बाद उठाया गया था, जिसने राज्यभर में जनाक्रोश भड़का दिया था। राज्य सरकार इस विधेयक को महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के विरुद्ध सख्त रुख के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जबकि केंद्र इसे दंड प्रक्रिया की बुनियादी कानूनी समझ और न्यायिक स्वतंत्रता के खिलाफ मान रहा है।

भाजपा ने राहुल गांधी से किया सवाल कहा- यूपीए सरकार में कितने आरक्षित पदों को भरा गया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राज्यसभा सदस्य और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने अब राहुल गांधी से पूछा है, वह बताएं कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के दूसरे कार्यकाल में ओबीसी वर्ग के कितने मंत्री थे। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में खाली आरक्षित पदों के संबंध में राहुल गांधी की टिप्पणी पर उन्होंने पलटवार किया है। कांग्रेस नेता से पूछा था कि 2004 से 2014 के बीच यूपीए शासन के दौरान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणियों के तहत कितने फैकल्टी मेंबर्स की नियुक्ति की गई थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षित पदों को खाली रखना एक साजिश है, ताकि इन वर्गों को शिक्षा, शोध और नीतियों से बाहर रखा जा सके। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह पूरी तरह अस्वीकार्य है और बहुजन को उनका अधिकार मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ये पूरी तरह से अस्वीकार्य है। सभी रिक्त पद तुरंत भरे जाएं। बहुजनों को उनका अधिकार मिलना चाहिए, मनुवादी बहिष्कार नहीं। तालकटोरा स्टेडियम

में ओबीसी के भागीदारी न्याय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी के सत्ता में रहने के दौरान जाति जनगणना नहीं करवा पाना उनकी गलती थी, लेकिन अब उन्होंने इस गलती को सुधारने के लिए कदम बढ़ाया है। भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'कांग्रेस के प्रथम परिवार के सदस्य राहुल गांधी, जिन्होंने चार पीढ़ियों से पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं का दमन किया, चुनावों में अपनी पार्टी की हार पर अपनी हताशा व्यक्त कर रहे हैं। राहुल गांधी, ध्यान से सुनिए- विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनने के लिए पहले सहायक प्रोफेसर के पद पर चयन होना जरूरी है और फिर एक निश्चित अवधि के बाद एक प्रक्रिया से एसोसिएट प्रोफेसर बनना होता है। ये कांग्रेस अध्यक्ष का पद नहीं है जो आपको पैदा होते ही दे दिया जा सकता है। त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग आज विश्वविद्यालयों में प्रोफेसर हैं, उनकी नियुक्ति 15 से 20 साल पहले सहायक प्रोफेसर के पद पर हुई होगी।

बिहार में कानून-व्यवस्था पर सवालः बोधगया में एंबुलेंस के भीतर युवती से गैंगरेप

होमगार्ड बहाली के फिजिकल टेस्ट में हुई थी बेहोश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के बोधगया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद एक 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि चलती एम्बुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

प्राथमिकी दर्ज होने के कुछ ही घंटों बाद, पुलिस ने दो संदिग्धों एम्बुलेंस चालक विनय कुमार और गाड़ी में सवार तकनीशियन अजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि दोनों फिलहाल हिरासत में हैं और पूछताछ चल रही है, गया पुलिस ने इस कार्रवाई को त्वरित और तत्काल बताया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज से एम्बुलेंस के रास्ते और समय की पुष्टि करने में मदद मिली है, जिससे चल रही जाँच में अहम सबूत मिले हैं। फॉरेंसिक टीम जल्द ही अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट पेश करेगी।

पुलिस शिकायत के अनुसार, महिला ने बताया कि शारीरिक परीक्षण के दौरान वह बेहोश हो गई थी और अस्पताल ले जाते समय उसे आंशिक रूप से होश आया। बाद में उसने पुलिस और अस्पताल के कर्मचारियों को बताया कि एम्बुलेंस में तीन-चार लोगों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। इस घटना के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था को लेकर चिंताएँ फिर से बढ़ गई हैं। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा, 'बिहार में जिस तरह से अपराध हो रहे हैं, प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह से नतमस्तक हो गया है।'

पासवान ने आगे कहा, 'यह घटना निंदा योग्य है - लेकिन असली सवाल यह है कि ऐसे अपराध बार-बार क्यों हो रहे हैं? अपराधों का एक सिलसिला चल रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह हो जाएगी - वास्तव में, यह पहले ही हो चुकी है।' उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोग इसे चुनाव से पहले सरकार को बदनाम करने की साजिश मान सकते हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का कर्तव्य है।

देश में किसान से ज्यादा स्टूडेंट कर रहे आत्महत्या, सुप्रीम कोर्ट को भी कहना पड़ा- कुछ तो गड़बड़ है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'तुझे सूरज कहूँ या चंदा, तुझे दीप कहूँ या तारा, मेरा नाम करेगा रोशन जग में मेरा राज दुलारा' 70 के दशक में आई फिल्म एक फूल दो माली के गीत को सुनने पर वो इंस्पिरेशन दिखती है जो माता- पिता अपने बच्चों में देखते हैं। जब उन्हें लगता है कि बेटा बड़ा होगा या बेटी बड़ी होगी तो कुछ अच्छा, नया, इनोवेटिव करेगी। कुल का नाम रोशन करेगा। लेकिन हो क्या रहा है? देश की सर्वोच्च अदालत ने बकायदा संज्ञान लेकर कहा है कि कैंपस में कुछ तो ऐसा गलत चल रहा है, जिस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात ये है कि कोर्ट ने सुओ मोटो यानी स्वतः संज्ञान लिया है। क्या है पूरा मामला और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर क्या कहा तमाम मसलों पर बात करेंगे। एक तो आपने आईआईटी खड़गपुर की बात सुनी होगी जहां पर चतुर्थ वर्ग के अंडरग्रैजुएट लड़के ने सुसाइड कर लिया। दूसरा मामला ग्रेटर नोएडा की शादरा यूनिवर्सिटी से जुड़ा है। वहां पर बीडीएस यानी बैचलर ऑफ डेंटल सर्जन की स्टूडेंट ज्योति शर्मा ने हास्टल के कमरे में सुसाइड कर लिया। उसने दो फैकल्टी मेंबर का नाम आगे किया कि इनकी वजह से सुसाइड किया। आपको कुछ महीने पहले की एक घटना याद होगी जब नेपाल की एक लड़की ने एक लड़के की वजह से आत्महत्या कर लिया था। आत्महत्या जैसे विषयों की बात करें तो बहुत बार ये चर्चा में आता है। आखिर बच्चे अपने प्राण क्यों ले लेते हैं? कई बार ऐसी चीज हम नई जनरेशन पर थोप देते हैं कि नई जनरेशन ही ऐसी है कि जल्दी हार मान जाती है। वो परिवार जो बहुत आशाओं से अपने बच्चे को पढ़ने के लिए भेजता है। पैसा बचाकर, जुटाकर खुद सस्ते कन्वेंस के द्वारा ट्रैवल करता है। लेकिन कोशिश करता है कि बच्चा हमारा अच्छे से पढ़े। लेकिन बहुत से ऐसे कारण हैं जिन वजहों से बच्चे सुसाइड करने पर आ जाते हैं। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कुछ तो गड़बड़ है जिसपर ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

वहीं एक विशाखापट्टनम में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। शिक्षण संस्थानों में स्टूडेंट्स की आत्महत्या और उनमें बढ़ती मेंटल हेल्थ की समस्याओं पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई और कहा कि आत्महत्या की रोकथाम के लिए देश में कोई माकूल कानून नहीं है। इसे देखते हुए कोर्ट ने 15 गाइडलाइंस जारी कीं, जो तब तक पूरे देश में लागू और बाध्यकारी होंगी, जब तक कानून नहीं बन जाता है। ये गाइडलाइंस सभी सरकारी, सार्वजनिक, प्राइवेट स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, प्रशिक्षण और कोचिंग संस्थानों और हॉस्टलों पर लागू होंगी, चाहे वे किसी भी चाहे वे किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय से संबद्ध हों। सुप्रीम कोर्ट ने नीट की तैयारी कर रही 17 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत के मामले में सुनवाई करते हुए ये गाइडलाइंस जारी कीं। साथ ही, छात्रा की मौत की सीबीआई से जांच कराने का भी आदेश दिया है।

1 लाख 70 हजार सुसाइड केस में 13 हजार छात्र

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट में बढ़ते आंकड़े परेशान करने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में देशभर में कुल 1 लाख 70 हजार 924 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से 13,044 छात्र थे। साल 2001 में स्टूडेंट्स की मौत के आंकड़े 5,425 थे।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, 100 आत्महत्याओं में करीब 8 छात्र शामिल थे। इनमें से 2,248 छात्रों ने सिर्फ इसलिए जान दे दी, क्योंकि वे परीक्षा में फेल हो गए थे।

किसानों से ज्यादा छात्र कर रहे आत्महत्या

दिहाड़ी मजदूर 25.6प्र. , स्वरोजगार 12.3 प्र., नौकरीपेशा 9.7 प्र., बेरोजगार 8.4प्र., स्टूडेंट 8 प्र., किसान 6 प्र.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण प्रशांत महासागर में समोआ के पास 6.6 तीव्रता का भूकंप,

अपिया, एजेंसी। दक्षिण प्रशांत महासागर के देश समोआ द्वीप के पास शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक इस भूकंप की तीव्रता 6.6 थी। भूकंप समोआ की राजधानी अपिया से लगभग 440 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में आया। इसकी गहराई 314 किलोमीटर (195 मील) रही। हालांकि, किसी प्रकार के नुकसान या घायल होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। समोआ ऑब्जर्वर न्यूज वेबसाइट के एक कर्मचारी ने बताया कि उन्होंने झटके महसूस नहीं किए और न ही किसी नुकसान की जानकारी मिली है। यूएस सुनामी चेतावनी प्रणाली ने भूकंप के बाद कोई सुनामी चेतावनी जारी नहीं की है। समोआ 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है। यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। 2009 में, समोआ और अमेरिकी समोआ के बीच दो बड़े भूकंप आए थे। इससे समोआ,अमेरिकी समोआ और टोंगा में आई सुनामी लहरों में कम से कम 192 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिका और मेक्सिको के बीच तिजुआना नदी की सफाई को लेकर समझौता, गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं दे रहा प्रदूषण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और मेक्सिको के बीच तिजुआना नदी की सफाई को लेकर एक समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स का विस्तार किया जाएगा और दोनों देश मिलकर तकनीक और वित्तीय मामले में सहयोग करेंगे। तिजुआना नदी में गंदगी और प्रदूषण एक बड़ी समस्या बना हुआ है। अमेरिका और मेक्सिको की सरकारें कई वर्षों से दोनों देशों की सीमा पर बहने वाली इस नदी को साफ करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। तिजुआना नदी का पानी कैलिफोर्निया में समुद्र में आकर मिलता है, जिससे कैलिफोर्निया के समुद्र तट गंदे हैं और बीते चार वर्षों से प्रदूषण की वजह से इन तटों को बंद करना पड़ा है। तिजुआना नदी में अरबों गैलन सीवेज और उद्योगों से निकलने वाला जहरीला कचरा गिरता है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में इस नदी के प्रदूषण के चलते अमेरिकी नेवी सील्स की ट्रेनिंग में समस्या हो रही है। क्योंकि नेवी सील्स यहां ट्रेनिंग करके बीमार हो रहे हैं। तिजुआना नदी को साफ करने के लिए अभी तक अरबों डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल में भी इसकी कोशिश हुई थी, लेकिन बीते एक दशक से यह नदी समस्या बनी हुई है। मेक्सिको की पर्यावरण मंत्री एलिसिया बारसेना और अमेरिका की पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख ली जेल्डिन ने गुरुवार को तिजुआना नदी को साफ करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत मेक्सिको की सरकार नदी की सफाई के लिए बुनियादी ढांचे के विकास में 9 करोड़ डॉलर के अपने आवंटन को पूरा करेगी। साल 2020 से अब तक इस नदी को साफ करने के लिए दोनों देशों की सरकारें 65 करोड़ डॉलर से ज्यादा रकम खर्च कर चुके हैं। साल 2027 तक नदी को साफ करने का लक्ष्य रखा गया है। 195 किलोमीटर लंबी तिजुआना नदी मेक्सिको के तट से अमेरिका के दक्षिणी केलिफोर्निया को पार करते हुए बहती है और प्रशांत महासागर में गिरती है। इस नदी में प्रदूषण के चलते समुद्र में तैरने वाले तैराक, सर्फर और लाइफगार्ड बीमार हो रहे हैं। वहीं पानी में नहीं जाने वाले स्कूली बच्चे, सीमा सुरक्षा बल के जवान और अन्य लोग भी बीमार हो रहे हैं, क्योंकि प्रदूषण झाग बनकर वाष्पित हो जाता है और फिर हवा के जरिए लोगों के शरीर में पहुंच रहा है, जिससे पानी में न जाने वाले लोग भी बीमार हो रहे हैं।

भारत से अच्छे संबंध चाहता है बांग्लादेश, विदेशी सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन बोले, आपसी सम्मान आधार

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने गुरुवार को कहा कि अंतरिम सरकार हमेशा भारत के साथ आपसी सम्मान और समानता के आधार पर अच्छे संबंध चाहती है। मोहम्मद तौहीद हुसैन ने यह बात तब कही, जब उनसे पूछा गया कि क्या वे भारत की मेडिकल टीम के बांग्लादेश में आने को दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों का सकारात्मक संकेत मानते हैं? बांग्लादेश के ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, हम शुरू से ही यही चाहते थे। हमने हमेशा कहा है कि हम भारत के साथ अच्छे कामकाजी रिश्ते चाहते हैं। हमारा रुख वही है। अंतरिम सरकार में किसी ने भी कभी यह नहीं कहा कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते। दरअसल, भारत से विशेषज्ञ डॉक्टरों और नर्सों की एक टीम बुधवार रात ही ढाका पहुंची थी, जो विमान हादसे में घायल लोगों का इलाज कर रही है। यह टीम दिल्ली के राम मनोहर लोहिया और सफदरजंग अस्पतालों से आई है, जिसमें बर्न और प्लास्टिक सर्जरी के विशेषज्ञ शामिल हैं। इस टीम ने गुरुवार सुबह से मरीजों का इलाज शुरू कर दिया है। भारतीय डॉक्टरों की यह टीम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद ढाका पहुंची है। पीएम मोदी ने विमान हादसे के बाद बांग्लादेश को हर संभव मदद का वादा किया था। टीम में शामिल डॉक्टर मरीजों की स्थिति का आकलन कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर भारत में विशेष इलाज की सलाह देंगे। बता दें कि 21 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी ने ढाका में हुए विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया था। इससे पहले, भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सरकार को पत्र लिखकर पूछा था कि घायलों के लिए भारत में कोई विशेष चिकित्सा सहायता की जरूरत है।

थाईलैंड-कंबोडिया में लगातार दूसरे दिन गोलीबारी: थाईलैंड ने बॉर्डर इलाकों से 1 लाख लोगों को हटाया

बैंकॉक / नोम पेन्ह, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहा संघर्ष दूसरे दिन भी जारी है। शुक्रवार सुबह दोनों देशों के सैनिकों ने बॉर्डर पर फायरिंग की है। थाई सरकार ने शुक्रवार को बताया कि 1 लाख से ज्यादा लोग घर छोड़ने के लिए मजबूर हो चुके हैं। अब तक थाईलैंड के 16 लोगों की मौत हुई है। जिसमें 1 सैनिक और 15 आम लोग हैं। 46 लोग घायल हुए हैं। अभी तक कंबोडिया की तरफ से मृतकों या घायलों की कोई आधिकारिक संख्या नहीं बताई गई है। विवाद की वजह 900 साल पुराना शिव मंदिर (प्रासात ता मुएन थोम) है। जब थाई सेना के अनुसार कंबोडियाई सैनिकों ने थाई सैन्य ठिकानों के ऊपर ड्रोन उड़ाए। थाई सेना का कहना है कि उसने बातचीत के जरिए तनाव कम करने की कोशिश की, लेकिन जब बात नहीं बनी तो सुबह 8: 20 बजे भारी गोलीबारी शुरू हो गई।

थाईलैंड ने अपने नागरिकों से कंबोडिया छोड़ने को कहा : कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह स्थित रॉयल थाईलैंड दूतावास ने कहा कि सीमा पर स्थिति बिगड़ती जा रही है और झड़पों के लंबे समय तक जारी रहने की संभावना के कारण, दूतावास ने अपने नागरिकों से जितनी जल्दी हो सके कंबोडिया छोड़ने को कहा है।

कंबोडिया और थाईलैंड के बीच विवाद की वजह : थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद का इतिहास 118 साल पुराना है, जो प्रीह विहियर मंदिर और आसपास के क्षेत्रों को लेकर है। जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तभी 1907 में दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी। थाईलैंड ने हमेशा इसका विरोध किया, क्योंकि नक्शे में प्रीह विहियर नाम का ऐतिहासिक मंदिर कंबोडिया के हिस्से में दिखाया गया था। इस पर दोनों देशों में विवाद चलता रहा। 1959 में कंबोडिया यह मामला अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया और 1962 में अदालत ने फैसला दिया कि मंदिर कंबोडिया का है। थाईलैंड ने इसे स्वीकार किया, लेकिन आसपास की जमीन को लेकर विवाद जारी रखा। मंदिर को हेरिटेज साइट में शामिल कराने पर झड़पें शुरू हुई 2008 में यह विवाद तब और बढ़ गया जब कंबोडिया ने इस मंदिर को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की कोशिश की। मंदिर को मान्यता मिलने के बाद दोनों देशों की सेनाओं में फिर झड़पें शुरू हो गईं और 2011 में तो हालात इतने बिगड़ गए कि हजारों लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए। 2011 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने दोनों देशों को विवादित क्षेत्र से सैनिक हटाने का आदेश दिया, और 2013 में फिर से पुष्टि की कि मंदिर और उसके आसपास का क्षेत्र कंबोडिया का है, लेकिन सीमा का मुद्दा अब तक पूरी तरह हल नहीं हो पाया है। इस विवाद के बावजूद थाईलैंड और कंबोडिया दुनिया के सबसे अच्छे पड़ोसी देशों में से माने जाते थे। कुछ साल पहले तक दोनों देशों के नेताओं का मानना था कि उनकी दोस्ती कभी नहीं टूटेगी, क्योंकि वे एक लंबी सीमा साझा करते हैं और मिलकर आगे बढ़ना उनके लिए जरूरी है। हालांकि, हाल के समय में हालात बदल गए और उनके बीच तनाव काफी बढ़ गया है। 28 मई को एमराल्ड ट्रायंगल पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें एक कंबोडियाई सैनिक की मौत हो गई थी। यह वो जगह है थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस की सीमाएं मिलती हैं। थाईलैंड और कंबोडिया दोनों ही इस इलाके पर दावा करते हैं।

सीईओ के बाद अब एचआर हेड ने भी दिया इस्तीफा, कोल्डप्ले के कंसर्ट में वायरल हुआ था वीडियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर की एचआर हेड क्रिस्टीन कैबोट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। क्रिस्टीन कैबोट का हाल ही में कंपनी के सीईओ एंडी बेरोन के साथ एक वीडियो वायरल हुआ था। दोनों कोल्डप्ले के कंसर्ट में साथ दिखाई दिए थे, जिससे दोनों के निजी संबंधों को लेकर खुलासा हो गया। गौरतलब है कि एंडी बेरोन पहले ही सीईओ पद से इस्तीफा दे चुके हैं।

कोल्डप्ले के कंसर्ट में कंपनी के सीईओ के साथ वीडियो हुआ था वायरल : मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है, लेकिन अभी तक न कंपनी की तरफ से और न ही क्रिस्टीन केबोट की तरफ से इसकी पुष्टि की गई है। दरअसल क्रिस्टीन केबोट और एंडी बेरोन बीती 16 जुलाई को बोस्टन के मेसाच्युसेट्स में मशहूर बैंड कोल्डप्ले के कंसर्ट में गए थे। दोनों जब गले लगकर कोल्डप्ले के गानों का लुत्फ ले हे थे, तभी दोनों कैमरे में कैद हो गए और कंसर्ट में लगी बड़ी स्क्रीन पर दिखाई दिए। कैमरे में आते ही दोनों ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी, उस पर कोल्ड प्ले के प्रमुख गायक क्रिस मार्टिन ने कहा कि दोनों का या तो अफेयर है या फिर दोनों बहुत ही शर्मीले हैं। इसके बाद यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वीडियो वायरल होने के बाद जांच पड़ताल में पता चला कि वीडियो में दिख रहा शख्स अमेरिकी टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बेरोन और महिला कंपनी की मानव संसाधन प्रमुख क्रिस्टीन केबोट हैं। एंडी शादीशुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। यही वजह रही कि यह मामला तूल पकड़ गया। विवाद बढ़ने पर कंपनी ने एंडी बेरोन को छुट्टी पर भेज दिया और एंडी के खिलाफ जांच शुरू कर दी।

सीरिया के गोला-बारूद डिपो में जबरदस्त धमाका, सात की मौत

डमस्कस, एजेंसी। उत्तर सीरिया के इदलिब प्रांत में गुरुवार को एक गोला-बारूद डिपो में बड़ा धमाका हुआ, जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय राहतकर्मियों और निगरानी समूहों ने दी। धमाके की सटीक वजह अभी साफ नहीं हो पाई है और किसी भी सरकारी एजेंसी की ओर से आधिकारिक बयान नहीं आया है। ब्रिटेन-स्थित निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि धमाका एक अम्यूनिशन डिपो (गोला-बारूद के गोदाम) में हुआ। व्हाइट हेलमेट्स के नाम से प्रचलित सीरियन सिविल डिफेंस ने कहा कि धमाका इदलिब के माआरत मिसरीन शहर में हुआ। जारी बयान में कहा गया कि हमारी टीम मौके से शवों को निकाल रही है, घायलों का इलाज कर रही है और आग बुझाने का काम कर रही है। वहीं सीरिया की सरकारी टीवी अल-इखबारिया ने इसे युद्ध के बचे हुए अवशेषों से जुड़ा धमाका बताया है। इसका मतलब है कि यानी वो हथियार और गोला-बारूद जो लंबे गृहयुद्ध के दौरान छूट गए थे। सीरियाई नागरिक सुरक्षा दल व्हाइट हेल्मेट्स ने बताया कि विस्फोट में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। यह विस्फोट बृहस्पतिवार को इदलिब के उत्तर में मारात मिसरिन शहर में हुआ। व्हाइट हेल्मेट्स ने एक बयान में कहा, ''यह केवल उन लोगों की मृत्यु का आंकड़ा है।

फिलिस्तीन को आजाद देश की मान्यता देगा फ्रांस

सितंबर में राष्ट्रपति मैक्रों यूएन में ऐलान करेंगे; इजराइल ने कहा- आतंकवाद को इनाम दे रहे

पेरिस/ तेल अवीव, एजेंसी। फ्रांस जल्द ही फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान इस मान्यता को औपचारिक रूप से घोषित करेंगे। मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मिडिल ईस्ट में स्थायी शांति की दिशा में फ्रांस की प्रतिबद्धता के तहत मैंने यह फैसला लिया है। शांति संभव है। आज सबसे जरूरी है कि गाजा में जंग रुके और नागरिकों की जान बचे। फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने फ्रांस के फैसले पर खुशी जताई हैं, वहीं इजराइल ने इसका विरोध किया है।

इजराइल बोला- आतंकवाद को इनाम दे रहे इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस फैसले की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, यह फैसला आतंकवाद को इनाम देने जैसा है और यह गाजा जैसे एक और ईरानी समर्थित प्रॉक्सी को जन्म देगा। ऐसी स्थिति में एक फिलिस्तीनी राष्ट्र, इजराइल के साथ शांति से नहीं, बल्कि उसे मिटाने के लिए इस्तेमाल होगा। फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने फ्रांस के इस कदम का स्वागत किया है। राष्ट्रपति महमूद अब्बास को गुरुवार को औपचारिक पत्र सौंपा गया। पीएलओ के उपाध्यक्ष हुसैन अल-शीख ने कहा, हम मैक्रों के इस निर्णय की सराहना करते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून और फिलिस्तीनी जनता के अधिकार

के प्रति फ्रांस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अब तक 140 से ज्यादा देशों ने दी है मान्यता : फ्रांस फिलिस्तीन को आधिकारिक मान्यता देने वाला सबसे बड़ा पश्चिमी देश है। अब तक 140 से अधिक देश फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे चुके हैं। इनमें कई यूरोपीय देश भी शामिल हैं। फिलिस्तीनी लोग एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं। इसमें वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी का क्षेत्र शामिल है। इन पर इजराइल ने 1967 की मिडिल ईस्ट वॉर के दौरान कब्जा कर लिया था।

ब्रिटेन और जर्मनी के साथ आपात बैठक करेगा फ्रांस फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शुक्रवार को ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के साथ गाजा के हालात, भूख से जूझ रहे लोगों तक मदद पहुंचाने और युद्ध को रोकने पर आपात बैठक वाले हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, राज्य का दर्जा फिलिस्तीनी जनता का जन्मसिद्ध अधिकार है। संघर्षविराम हमें एक फिलिस्तीनी राष्ट्र की मान्यता और दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में ले जाएगा, जो इजराइल और फिलिस्तीन दोनों के लिए शांति और सुरक्षा की गारंटी है। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी यहूदी और मुस्लिम आबादी रहती है। मिडिल-ईस्ट में होने वाला तनाव का असर फ्रांस में भी दिखाई देता है। मैक्रों ने 7 अक्टूबर को हमास के इजराइल पर हमले के बाद इजराइल के समर्थन में बयान दिया था। लेकिन अब गाजा में इजराइल की कार्रवाई को लेकर वे खुले तौर पर नाराजगी जता रहे हैं। फ्रांस और सऊदी अरब अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र में टू-स्टेट सॉल्यूशन पर एक कॉन्फ्रेंस का आयोजन करने जा रहे हैं।

फिलीपींस में तूफान को-मे का कोहराम, 25 की मौत; 2.78 लाख लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में पिछले एक हफ्ते से जारी मूसलधार बारिश और भूस्खलन के बीच अब ट्रॉपिकल तूफान को-मे ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे फिलीपींस के लिए यह तूफान एक और बड़ा झटका साबित हुआ है। ऐसे में सरकार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भूमिका अहम बन जाती है ताकि लाखों लोगों को सुरक्षित और आवश्यक मदद मिल सके। इस खतरनाक तूफान के कारण अब तक कम से कम 25 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 2.78 लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा है। तूफान शुक्रवार को देश के उत्तरी पहाड़ी इलाकों से गुजरा।

इतनी रफ्तार से आया तूफान को-मे नाम का यह तूफान गुरुवार की रात पांगासिनान प्रांत के अग्नो कस्बे में 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टकराया। इसके झोंकों की गति 165 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई थी। शुक्रवार सुबह तक इसकी ताकत थोड़ी कम हुई और यह 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्वोत्तर दिशा की ओर बढ़ता दिखा। मॉनसून को भी किया और भयानक तूफान ने देश में पहले से ही चल रही मौसमी बारिश को और ज्यादा तीव्र बना दिया। पिछले एक हफ्ते से लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में बाढ़, पेड़ों के गिरने, भूस्खलन और बिजली के झटकों से लोगों की जान गई है। फिलहाल आठ लोग लापता हैं। हालांकि, तूफान को-मे से सीधे मौत की कोई पुष्टि अब तक नहीं हुई है। स्कूल बंद, 35 प्रांतों में क्लास सस्पेंड सरकार ने राजधानी मनीला में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। लुजोन के मुख्य उत्तरी इलाके के 35 प्रांतों में कक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। कम से कम 77 शहरों और कस्बों में आपातकाल घोषित किया गया है, जिससे राहत फंड जल्दी मिल सके और जरूरी सामान जैसे चावल की कीमतें न बढ़ें। 278,000 लोगों का विस्थापन, सेना तैनात सरकारी आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, 2.78 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ और तूफान के कारण अपने घरों को छोड़ चुके हैं। इनमें से अधिकांश को आपातकालीन शेल्टर या रिश्तेदारों के घरों में शरण लेनी पड़ी। अब तक लगभग 3,000 घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। राहत और बचाव के लिए सेना, पुलिस, कोस्ट गार्ड, दमकल कर्मियों और स्थानीय वॉलंटियरों को तैनात किया गया है। राष्ट्रपति की चेतावनी और अमेरिकी मदद का वादा राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने व्हाइट हाउस यात्रा से लौटने के बाद राहत शिविरों का दौरा किया और लोगों को खाद्य सामग्री वितरित की। उन्होंने एक आपात बैठक में कहा कि अब जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी आपदाएं और ज्यादा और अनिश्चित होंगी। अमेरिकी सरकार ने राहत सामग्री और भोजन को दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंचाने के लिए अपने सैन्य विमानों की मदद देने का वादा किया है।

बीमा के 5.4 करोड़ रुपये पाने के लिए सर्जन ने खुद कटवा लिए अपने दोनों पैर, कोर्ट में सनसनीखेज खुलासा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक सर्जन पर बेहद चौंकाने वाला आरोप लगा है। कोर्ट में बताया गया कि 49 वर्षीय डॉक्टर नील हॉपर्स ने बीमा क्लेम के लिए अपने दोनों पैरों को जानबूझकर कटवा लिया। इस मामले ने ब्रिटिश मेडिकल जगत और आम लोगों को हैरान कर दिया है। डॉक्टर पर गंभीर आपराधिक आरोप लगे हैं और उनका मेडिकल रजिस्ट्रेशन निलंबित कर दिया गया है। कोर्ट में पेश साक्ष्यों के अनुसार, डॉक्टर हॉपर्स ने अपने बीमा पॉलिसी के तहत कुल 5.4 करोड़ रुपये (करीब 500,000 पाउंड) पाने के लिए अपने दोनों पैरों की सर्जिकल कटिंग कराई। उन्होंने दो बीमा कंपनियों अरिवा ग्रुप और ओल्ड म्युचुअल से क्रमशः 2.3 करोड़ और 2.3 करोड़ रुपये के क्लेम की योजना बनाई थी। उन्होंने दावा किया कि उन्हें सेप्सिस (खून में संक्रमण) के कारण अपने पैर गंवाने पड़े।

जांच में हुआ खुलासा : जांच में सामने आया कि डॉक्टर हॉपर्स ने द इयूनच मेकर नाम की वेबसाइट से अंगों को काटने से जुड़े वीडियो खरीदे थे। इतना ही नहीं, उन्होंने एक एक्सट्रीम बॉडी मॉडिफिकेशन रिंग चलाने वाले मारियस गुस्तावसन को दूसरों के शरीर के अंग काटने के लिए उकसाया और उसका समर्थन किया। यह आरोप 2018 से 2020 के बीच की घटनाओं से जुड़ा है। गंभीर आरोप, कोर्ट में लंबी सुनवाई की तैयारी डॉक्टर हॉपर्स पर न सिर्फ खुद को नुकसान पहुंचाने का आरोप है, बल्कि यह भी कहा गया है कि उन्होंने

जानबूझकर दूसरों को भी शारीरिक क्षति पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उनके खिलाफ गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचाने में सहायता या प्रोत्साहन का मामला चल रहा है। पुलिस की पूछताछ और सबूतों के आधार पर मामले की सुनवाई आगे जारी है। हॉपर्स वर्ष 2013 से रॉयल कॉर्नवाल हॉस्पिटल्स एनएचएस ट्रस्ट में सेवा दे रहे थे, लेकिन मार्च 2023 में गिरफ्तारी के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। अस्पताल प्रबंधन ने साफ किया कि डॉक्टर हॉपर्स के खिलाफ पेश आरोपों का उनके पेशेवर व्यवहार से कोई लेना-देना नहीं है और अब तक मरीजों की सुरक्षा को लेकर कोई खतरा नहीं पाया गया है। बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में डॉक्टर हॉपर्स ने बताया कि वो कई बार लोगों की सर्जरी करते हैं और जब उनके पैरों की बारी आई तो उन्हें खुद पर पावर टूल्स का इस्तेमाल अजीब लगा। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें तीन महीने में चलने की उम्मीद थी।

कैपिटल दंगों पर कार्रवाई करने वाले वकील को नौकरी से निकाला गया, बोले- ईमानदारी की सजा मिली

वॉशिंगटन , एजेंसी। वाशिंगटन में 6 जनवरी 2021 के कैपिटल हिल दंगे से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों की पैरवी करने वाले प्रमुख अभियोजक माइकल गॉर्डन ने सरकार के खिलाफ केस दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें ट्रंप समर्थकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की सजा दी गई है। गॉर्डन ने कहा कि उन्हें जून में बिना किसी ठोस कारण के नौकरी से निकाल दिया गया, जबकि उनके प्रदर्शन की समीक्षा में उन्हें सर्वोच्च रेटिंग दी गई थी।

गॉर्डन का कहना है कि उनकी बर्खास्तगी सिर्फ इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने कानून का पालन किया और ट्रंप समर्थकों के खिलाफ केस लड़ने में अहम भूमिका निभाई। वे उन पहले अफसरों में हैं जिन्होंने सरकार के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उनके साथ दो और पूर्व अधिकारी पैट्रीशिया हार्टमैन और जोसेफ टिर्रेल भी इस केस में याचिकाकर्ता हैं।

प्रमुख आरोपियों के केस लड़े गॉर्डन ने अब तक 36 से ज्यादा दंगा आरोपियों के खिलाफ केस लड़े हैं, जिनमें नैन्सी पेलोसी के ऑफिस में पांव रखने वाला रिचर्ड बार्नेट और प्लास्टिक हैंडकफ लेकर सीनेट पहुंचने वाला एरिक मुनचेल शामिल हैं। उन्होंने जे6 प्रेइंग ग्रैंडमा के नाम से मशहूर रेबेका लावरेंज और रे एप्स जैसे विवादास्पद आरोपियों के केस भी हैंडल किए हैं। ट्रंप प्रशासन पर गंभीर सवाल गॉर्डन ने कहा कि ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद न्याय विभाग में कई लोगों को निकाला गया, लेकिन उन्हें इस उम्मीद थी कि उनका काम उन्हें बचा लेगा। मगर जब उन्हें भी निकाल दिया गया, तो उन्होंने चुप न रहने और

कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि अगर हम चुप रहे तो न्याय का मतलब वही होगा जो राष्ट्रपति कहे, न कि कानून। फायरिंग के पीछे कोई ठोस कारण नहीं गॉर्डन को बर्खास्त करने की चिट्ठी में सिर्फ यूएस संविधान के अनुच्छेद-।। का हवाला दिया गया, जिसमें राष्ट्रपति को नियुक्ति और बर्खास्तगी का अधिकार होता है। उन्होंने कहा कि जब वे एक 100 मिलियन डॉलर के फ्रॉड केस के ट्रायल की तैयारी कर रहे थे, तभी ऑफिस का एक एडमिनिस्ट्रेटर आया और उन्हें बर्खास्तगी की चिट्ठी पकड़ा दी। राजनीतिक हस्तक्षेप बनाम न्याय की स्वतंत्रता इस मामले ने अमेरिका में न्यायपालिका की स्वतंत्रता और राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर बहस छेड़ दी है। गॉर्डन ने कहा कि वह अपने बच्चों को ऐसा देश नहीं देना चाहते जहां न्याय की परिभाषा सत्ता तय करे। प्रतिनिधि सभा की सदस्य कैथी कास्टर ने अटॉर्नी जनरल से गॉर्डन को फिर बहाल करने की मांग की है। गॉर्डन की लड़ाई अब सिर्फ नौकरी की नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की गरिमा और स्वतंत्रता को बचाने की है। उनका कहना है कि अगर ईमानदार अफसरों को सजा दी जाएगी, तो जनता की कानून पर से आस्था खत्म हो जाएगी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कपड़ा फैक्ट्री मालिक से 4.79 करोड़ की ठगी

सूरत की सचिन GIDC पुलिस ने राजस्थान से दो आरोपियों को पकड़ा,कुल 21 के खिलाफ केस दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के सचिन GIDC क्षेत्र में स्थित एक कपड़ा फैक्ट्री के मालिक के साथ करीब 4,79,44,545 की ठगी का मामला सामने आया है। इस धोखाधड़ी में शामिल दो मुख्य आरोपियों को सचिन GIDC पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच तेज कर दी गई है। इस केस में फैक्ट्री के सेल्समैन, दो दलालों और 17 व्यापारियों समेत कुल 21 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है।

अमित विग सचिन GIDC में चलाते हैं कपड़े की फैक्ट्री

दिल्ली मूल के और वर्तमान में वेसु के फ्लोरेंस बिल्डिंग में रहने वाले अमित सूरजमोहन विग, सचिन GIDC में "विग विव्स प्रा. लि." नामक कपड़ा फैक्ट्री का संचालन करते हैं। उनकी फैक्ट्री में पिछले सात वर्षों से ड्रोन रवि खन्ना (निवासी- शुंगार रेसिडेंसी, नंदिनी-1 के पास, वेसु) बतौर सेल्समैन कार्यरत था। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी राजेश खन्ना और सीतापुर निवासी रवि ब्रिजमोहन खन्ना कपड़े की दलाली का कार्य करते थे।

पिता की बीमारी का उठाया फायदा, की गई ठगी वर्ष 2024 में अमित विग के पिता की तबीयत बिगड़ने के चलते जनवरी से जुलाई 2024 के बीच वे उनकी देखभाल में व्यस्त रहे और फैक्ट्री पर नहीं आ सके। इस दौरान फैक्ट्री का संपूर्ण प्रबंधन सेल्समैन ड्रोन के हाथों में था। इसी अवसर का गलत फायदा उठाते हुए ड्रोन ने दलालों रवि और राजेश के जरिए उत्तर प्रदेश के कानपुर, मेरठ, सीतापुर, जोधपुर और प्रयागराज समेत विभिन्न शहरों के 17 व्यापारियों को करीब 4.79 करोड़ का कपड़ा उधारी पर दे दिया। लेकिन इन व्यापारियों ने भुगतान कभी नहीं किया।

भुगतान की मांग पर व्यापारियों ने किया इनकार

जुलाई 2024 में जब अमित विग फैक्ट्री लौटे और हिसाब-किताब की जांच की, तो उन्हें ठगी का पता चला। उन्होंने जब संबंधित व्यापारियों से संपर्क कर रकम की वसूली की कोशिश की, तो उन्होंने भुगतान से इनकार कर दिया। दलालों ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए। अंतत: अमित विग ने सेल्समैन ड्रोन, दलाल रवि और राजेश तथा 17 व्यापारियों सहित कुल 21 लोगों के खिलाफ सचिन GIDC थाने में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई।

राजस्थान से दो आरोपी पकड़े गए इस संगीन अपराध की जांच के दौरान सचिन GIDC पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम हैं:

1.मोहम्मद रईस मोहम्मद ताहिर शेख, उम्र 31 वर्ष, निवासी: प्लॉट नं-122, बापू कॉलोनी, नई कोहिनूर सिनेमा के सामने, प्रतापनगर, थाना—सदर, जिला जोधपुर, राजस्थान

2.मोहम्मद अफजल मोहम्मद इकबाल शेख, उम्र 36 वर्ष, निवासी: कबूतर चौक, नागोरी सिलावट मोहल्ला, जोधपुर, राजस्थान

पुलिस कर रही विस्तृत पूछताछ पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस बड़े पैमाने पर हुई ठगी में और कौन-कौन शामिल है, साथ ही अन्य क्षेत्रों में इस प्रकार की धोखाधड़ी हुई है या नहीं - इन सभी पहलुओं की गहन जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

मामला 'बंद दरवाज़े के पीछे समझौते'पर सुलझा- पुलिस शिकायत नहीं

सूरत में BRTS बस और महिला कॉर्पोरेटर की कार में टक्कर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अमरौली-कतारगाम को जोड़ने वाले अमरौली तापी ब्रिज पर एक अनोखा सड़क हादसा चर्चा का विषय बन गया है। आमतौर पर सड़क दुर्घटनाओं में पुलिस शिकायत दर्ज होती है, लेकिन इस मामले में सूरत नगर निगम की BRTS बस और एक स्विफ्ट कार की टक्कर के बाद रहस्यमय तरीके से 'बंद दरवाज़े के पीछे समझौता' कर लिया गया। वजह यह बताई जा रही है कि जिस कार को टक्कर लगी वह नगर निगम की एक महिला कॉर्पोरेटर की थी।

मिली जानकारी के अनुसार, ब्रिज पर तेज़ रफ्तार से दौड़ती BRTS बस ने स्विफ्ट कार को जोरदार टक्कर मारी थी, जिससे कार के पिछले हिस्से को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि, सौभाग्य से इस गंभीर हादसे में कोई जानहानि नहीं हुई। मगर BRTS बस चालक की लापरवाही साफ तौर पर देखी गई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि महिला कॉर्पोरेटर के पति ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाने के बजाय BRTS बस एजेंसी के संचालक के साथ 'सीक्रेट समझौता' कर लिया। सूत्रों के अनुसार, इस समझौते में मोटी रकम के लेन-देन की भी चर्चाएं सामने आ रही हैं।

हैरानी की बात यह भी है कि जब नगर निगम की बस से नगर निगम की ही एक कॉर्पोरेटर की कार को नुकसान पहुंचा, तब भी पुलिस केस दर्ज नहीं हुआ। इससे पालिका के हलकों और आम नागरिकों में सवाल उठने लगे हैं - क्या इस समझौते के पीछे कोई दबाव था या कोई और कारण?

यह मामला अब शहर में बहस और आलोचना का केंद्र बन गया

अधिकारियों की अनदेखी पर भाजपा विधायक को सचिव से करनी पड़ी शिकायत

सूरत पूर्व के अशांतधारा क्षेत्र में भ्रष्टाचार का आरोप, 'पुलिस की ना के बावजूद संपत्तियाँ ट्रांसफर कर दी गईं'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अशांतधारा क्षेत्र में, पुलिस की नकारात्मक राय और आसपास के लोगों के विरोध के बावजूद, नायब कलेक्टर द्वारा संपत्तियों के ट्रांसफर की मंजूरी दिए जाने का भाजपा विधायक अरविंद राणा ने आरोप लगाया है। विधायक का कहना है कि इस प्रक्रिया में गंभीर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने बताया कि स्थानीय प्रशासन को कई बार शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने के चलते उन्हें अंतत: राजस्व विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जयंती रवि से सबूतों के साथ शिकायत करनी पड़ी। उन्होंने मांग की कि अशांतधारा क्षेत्र में की गई गलत संपत्ति तबादलों के आदेश रद्द किए जाएं।

जहां संपत्ति का ट्रांसफर नियमानुसार होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्व विभाग के डिप्टी कलेक्टर सहित कई अधिकारियों द्वारा भारी भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लोग अशांतधारा नियमों से बच निकलने की चालबाजी कर अवैध रूप से संपत्ति का ट्रांसफर करवा रहे हैं।

अंतत: उन्होंने गांधीनगर जाकर राजस्व विभाग की एडिशनल चीफ सेक्रेटरी डॉ. जयंती रवि से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और सारे सबूत पेश किए। उन्होंने स्वीकार किया कि नियमों का उल्लंघन हुआ है और सूरत के कलेक्टर को इस पर तत्काल कार्यवाही करने की फटकार भी लगाई।

अरविंद राणा ने कहा कि उन्होंने वर्ष 2022 से 2025 तक के सभी संदिग्ध संपत्ति ट्रांसफर मामलों के सबूत प्रस्तुत किए। इनमें से कई में पुलिस की रिपोर्ट नकारात्मक होने के बावजूद संपत्ति ट्रांसफर किए गए हैं, जो पूरी तरह अवैध हैं। उन्होंने कहा कि डिप्टी कलेक्टर और अन्य अधिकारी भारी भ्रष्टाचार के जरिए नियमों को दरकिनार करके संपत्तियों का ट्रांसफर करवा रहे हैं। डॉ. जयंती रवि ने तुरंत सूरत कलेक्टर को इन सभी मामलों की समीक्षा कर रद्द करने के निर्देश दिए और कहा कि क्षेत्रीय संतुलन को बिगाड़ने की इस प्रक्रिया पर रोक लगेगी। अशांतधारा कानून उन क्षेत्रों पर लागू होता है जहाँ पहले दंगे या साम्प्रदायिक तनाव के मामले हुए हों और जहां किसी एक समुदाय की आबादी अत्यधिक बढ़ जाने से जनसंख्यात्मक असंतुलन हो गया हो।

यदि कोई इस कानून का उल्लंघन करता है, तो उसे 3 से 5 साल की जेल,1 लाख रुपये या ट्रांसफर की गई संपत्ति की जनवरी दर का 10%, इनमें से जो अधिक हो,जुर्माना भरना पड़ सकता है।

4.50 लाख की हीरा ठगी में तीन गिरफ्तार

इंडियामार्ट वेबसाइट के जरिए फर्जीवाड़ा, सूरत-मुंबई में 6 शिकायतें दर्ज

हीरा दलाल और दो प्लंबर शामिल, मुख्य आरोपी के खिलाफ पहले से कई केस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत क्राइम ब्रांच ने इंडियामार्ट वेबसाइट के ज़रिए सूरत के एक हीरा व्यापारी से 4.50 लाख मूल्य के हीरे ठगने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह में एक हीरा दलाल और दो प्लंबर शामिल हैं। मुख्य आरोपी भरत कुमार कोंधोल के खिलाफ सूरत और मुंबई में तीन मामले पहले से दर्ज हैं।

दिल्ली के महावीर ज्वेलर्स के 'लालाजी जेम्स' के नाम से पहचान बनाकर आरोपियों ने सूरत के हीरा व्यापारी हेत जयसुख मावाणी से संपर्क किया। 12 जुलाई 2025 को लालाजीभाई के नाम से हीरे का सौदा तय हुआ। 14 जुलाई को उसका साथी भावेश कापड़ी घोड़दोड़ रोड पर व्यापारी से हीरे लेकर ऑफिस में दिखाने के बहाने फरार हो गया। इसके बाद उमरा पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। सूचना के आधार पर पुलिस ने सूरत जिले के हलदरू गांव से तीनों आरोपियों—

1. भरत कुमार कोंधोल (उम्र 40, हीरा दलाल, निवासी- नवी मुंबई)
2. पियूष सबुरभाई आहिर (उम्र 19, प्लंबर)
3. विपुल उर्फ भावेश रामजीभाई कापड़ी** (उम्र 37, प्लंबर)को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि भरत पहले भी हीरा धोखाधड़ी के मामलों में पकड़ा जा चुका है। पहले भी कर चुका है कई ठगियां:भरत कुमार ने कबूला कि उसने अपने दोस्त अल्पेश नारणभाई सुतरिया से सूरत के व्यापारी की जानकारी प्राप्त की और फिर पियूष और विपुल के साथ मिलकर यह अपराध अंजाम दिया।

दमन के डाभेल और भीमपुर गांव में सुजलॉन एनर्जी का दो दशक पुराना अवैध कब्जा- प्रशासन मौन क्यों ?

उपजाऊ खेती की जमीन पर भारी मशीनरी और कंटेनरों का जमावड़ा, न लीज,न मंजूरी- फिर भी प्रशासन क्यों है खामोश?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

संघ प्रदेश दमन के डाभेल और भीमपुर गांवों में सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड द्वारा किसानों की कृषि योग्य जमीन का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा है। कंपनी ने इन खेतों में भारी कंटेनर, टरबाइन के कल-पुर्जे और अन्य औद्योगिक सामग्री डंप कर रखी है। ये जमीनें मूल रूप से खेती के लिए चिन्हित हैं और इनके औद्योगिक उपयोग के लिए न तो किसी प्रकार की सरकारी मंजूरी है और न ही लीज समझौता।

सामने दमन प्रशासन बैकफुट पर है या फिर च्कटकीज् की संस्कृति में डूबा हुआ है?

वहीं, इसी प्रशासन द्वारा जब सड़क किनारे खड़े रेहड़ी-पटरी वालों, झुग्गी झोपड़ी में रहने वालों, या दैनिक मजदूरी करके जीवन यापन करने वालों पर सख्त कानून थोपे जाते हैं, तब यह दोहरी नीति खुलकर सामने आ जाती है। क्या कानून सिर्फ गरीबों के लिए है?

भू-मालिकों की चांदी

कुछ किसान इस गैरकानूनी सौदेबाजी से हर महीने लाखों रुपये किराए के रूप में वसूल रहे हैं। बिना वैध दस्तावेज के यह मोटी कमाई न केवल अवैध है बल्कि समाज में असमानता की खतरनाक लकीर खींच रही है। यही नहीं, यह प्रवृत्ति अन्य उद्योगों और संपत्ति धारकों को भी अवैध कमाई के लिए प्रेरित कर सकती है।

बड़ा सवाल - प्रशासन कब जागेगा?

अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसे अतिक्रमण और कानून तोड़ने की घटनाएं सामान्य बन जाएंगी। जनता का कानून और प्रशासन पर से भरोसा उठ जाएगा।

जनहित में सख्त मांगें-

प्रशासन और जिला कलेक्टर को तत्काल इस अवैध गतिविधि पर रोक लगानी चाहिए।

भू-मालिकों से गैरकानूनी कमाई की वसूली की जाए।

सुजलॉन जैसी बड़ी कंपनियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई हो।

भविष्य में ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए स्पष्ट और सख्त नीति बनाई जाए।

अब सवाल जनता का है:

क्या भू-माफियाओं पर लाल आंख दिखाई जाएगी या फिर मामला यूं ही दबा रहेगा?

क्या प्रशासन कानून का समान रूप से पालन कराएगा या सिर्फ गरीबों पर ही डंडा चलेगा?

क्या दमन में फिर से 'जंगलराज' की वापसी हो रही है?

देखना है - प्रशासन एक्शन में आता है या फिर चुप्पी ही उसकी नीति बनी रहेगी।

स्टीलमैन फाउंडेशन द्वारा वलसाड के आंगनवाड़ी बच्चों को स्कूल बैग वितरण - शिक्षा के प्रति प्रेरणादायक पहल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

समाजसेवा और शिक्षा के प्रचार में सतत रूप से कार्यरत स्टीलमैन फाउंडेशन ने आज वापी ईस्ट क्षेत्र के गीता नगर, सर्वैया नगर, टंकी फलिया, सरस्वती नगर और कंचन नगर की आंगनवाड़ियों में नन्हें बच्चों को नि:शुल्क स्कूल बैग वितरित किए।

इस मानवीय और प्रेरणादायक पहल का नेतृत्व फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री मेहुलभाई ठाकुर ने किया, जबकि उनकी समर्पित टीम ने इस पूरे कार्यक्रम को अनुशासित और प्रभावशाली रूप से सफल बनाया।

कार्यक्रम की विशिष्ट उपस्थिति में विप्र कल्याण ट्रस्ट के राष्ट्रीय संरक्षक एवं समाजसेवी श्री राकेश त्रिपाठी जी ने भी शिरकत की। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए फाउंडेशन की इस पहल को समाज के लिए अनुकरणीय बताया और उसकी सराहना की।

इस कार्यक्रम में ICDS वलसाड का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, जिनके मार्गदर्शन में वितरण प्रक्रिया को व्यवस्थित और सुचारू बनाया गया। आंगनवाड़ी स्टाफ व शिक्षिकाओं ने बच्चों को क्रमबद्ध तरीके से पंक्तिबद्ध कर शालीनता से बैग वितरण में सहयोग प्रदान किया।

फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री मेहुलभाई ठाकुर ने इस अवसर पर कहा,

"हमारा उद्देश्य है कि हर बच्चे तक शिक्षा के लिए आवश्यक साधन पहुँचें। स्कूल बैग वितरण तो केवल एक शुरुआत है - भविष्य में भी हम ऐसे और कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा की अलख जगाते रहेंगे।"

बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान और उनकी आँखों में दिखता उल्लास इस पहल की सफलता का जीवंत प्रमाण रहा। वहीं उपस्थित अभिभावकों ने भी फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए इस प्रयास को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक शुभ संकेत माना।

स्टीलमैन फाउंडेशन की यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश है, बल्कि समाज में परिवर्तन की दिशा में उठाया गया एक मजबूत कदम भी है। संस्था ने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी ऐसे कल्याणकारी प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।